epaper.dehatsandesh.com

**3** पुलिस शहीद टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे दिन दो मैच खेले गए

**5** चैंपियंस ट्राफी और भारत दौरे के लिए जो रूट की इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम में वापसी

**8** जीडीसी पलौड़ा ने मनाया डोगरी मान्यता दिवस

मौसम जम्मू — न्यूनतम 7 — अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

# देहात संदेश

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-307 | जम्मू तवी, मंगलवार 24 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

## सुरक्षा एजेंसियों ने उग्रवाद और आतंकवाद से निर्णायक लड़ाई लड़कर वर्चस्व स्थापित किया: शाह

**नयी दिल्ली 23 दिसम्बर।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सुरक्षा एजेंसियों ने देश में उग्रवाद और आतंकवाद जैसे कई प्रकार के खतरों से निर्णायक लड़ाई लड़कर वर्चस्व स्थापित किया है

श्री शाह ने सोमवार को यहां 37 वें गुप्तचर ब्यूरो शाताब्दी व्याख्यान में कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले 5 साल में देश में कई प्रकार के खतरों से निर्णायक लड़ाई लड़कर वर्चस्व स्थापित किया है। पांच साल पहले तक देश के सामने दशकों से चले आ रहे तीन नासूर-पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद और कश्मीर देश की शांति, कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और भविष्य को चुनौती दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सख्त नीतियों और कठोर निर्णयों के कारण आने वाली पीढ़ी को इन तीनों खतरों की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि हमने इन खतरों पर लगभग के निर्णायक विजय प्राप्त कर ली है। उन्होंने कहा कि कहा कि इन तीनों क्षेत्रों में हिंसक घटनाओं में 70 प्रतिशत और इनके कारण होने वाली मौतों में लगभग 86 प्रतिशत की

कमी दर्ज हुई है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सूचना ब्यूरो की कार्यपद्धति, सतर्कता, सक्रियता, निर्णायक भूमिका निभाना और यश लेने के समय किसी और को आगे करने की त्याग और समर्पण की एक परंपरा ने देश को सुरक्षित रखा हुआ है।

पिछले 10 साल में गुप्तचर ब्यूरो की तत्परता, तीक्ष्णा और परिणाम लाने की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। ब्यूरो ने अपनी निष्ठा, साहस, त्याग और समर्पण की परंपरा को न केवल बरकरार रखा है बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चुनौतियों के सामने कठिन परिस्थितियों में विगत 5 साल में ब्यूरो ने देश को सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि किसी भी इंटेलिजेंस एजेंसी का इकोसिस्टम देश की सुरक्षा के आधार के साथ-साथ देश के भविष्य और विकास की मूल ज़रूरत भी होता है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश एक सशक्त इंटेलिजेंस इकोसिस्टम के बिना आगे नहीं बढ़ सकता क्योंकि इसके बिना देश की संप्रभुता और आर्थिक विकास संभव नहीं है।

श्री शाह ने कहा कि मौजूदा स्थिति में इंटेलिजेंस इकोसिस्टम के प्रभाव को चार डायमेंशन में विभाजित किया जा सकता है - समाज, संप्रभुता, सुरक्षा और सजगता। उन्होंने कहा कि इन सबके बीच में संपर्क और तालमेल के बिना आज हम पूरे देश को सुरक्षित नहीं रख सकते। एक सुरक्षित समाज ही आर्थिक और सामाजिक विकास की नींव रखने में सक्षम होता है। इंटेलिजेंस इकोसिस्टम द्वारा समय पर खतरों की पहचान कर उन्हें समाप्त करना ही समाज में विश्वास और स्थिरता बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि अगर हमें नक्सलवाद, आतंकवाद, संगठित अपराध, विभाजनकारी ताकतों, सांप्रदायिकता, नारकोटिक्स और असामाजिक तत्वों को पूरी तरह नियंत्रण में रखना है तो हमारे लिए समाज की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज के ज़माने में संप्रभुता के दायरे सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। अगर हम इनोवेशन, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संसाधनों, शोध और अनुसंधान की प्रक्रिया को संप्रभुता की व्याख्या में शामिल नहीं करते हैं, तो हम देश को सुरक्षित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों की सुरक्षा में अगर थोड़ी सी भी चूक होती है तो हमारी संप्रभुता आहत होगी। इसलिए इसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। श्री शाह ने कहा कि सुरक्षा अब सीमा और नागरिकों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि सुरक्षा की व्याख्या में हमें आज कुछ नए बिंदु भी जोड़ने पड़ेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , मशीन लर्निंग और साइबर स्पेस जैसे क्षेत्रों में हो रहे तेज़ परिवर्तनों के प्रति सजगता बढ़ानी पड़ेगी। आज सिर्फ भौतिक नुकसान करने वाले देशविरोधी तत्वों से सजग रहने से ही हमारा काम पूरा नहीं होता और हमें आज के परिदृश्य में सजगता के मायने बदलने पड़ेंगे।

## मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा भीषण शीत लहर के बीच कश्मीर की बिजली आपूर्ति की समीक्षा

**श्रीनगर 23 दिसंबर।** कश्मीर घाटी में चल रही भीषण शीत लहर के बीच, जिसने बिजली और पानी की आपूर्ति को बाधित कर दिया है, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर घाटी में बिजली की स्थिति की समीक्षा हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जो इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान संकट प्रबंधन की व्यक्तिगत रूप से देखरेख करने के लिए घाटी में तैनात हैं, ने बिजली की कमी को दूर करने तथा निवासियों के लिए पर्याप्त आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी उपायों की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने चरम बिजली मांग के प्रबंधन के लिए एक व्यापक रणनीति पर चर्चा की तथा अधिकारियों को कठोर सर्दियों के मौसम के दौरान विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में दक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्युत विकास विभाग को निर्धारित कटौती कार्यक्रम का सख्ती से अनुपालन करने तथा उपभोक्ताओं को पहले से सूचित करने के लिए नियोजित बिजली कटौती का उचित प्रचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री को घाटी में मौजूदा बिजली की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। इस बात पर प्रकाश डाला गया कि पिछले वर्ष की तुलना में बिजली आपूर्ति में 7-8 प्रतिषत की वृद्धि के बावजूद, अत्यधिक ठंड के कारण लोड प्रोफाइल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो उपलब्ध संसाधनों से अधिक है। बैठक में बताया गया कि जलविद्युत संयंत्रों में न्यूनतम जल निर्वहन के कारण रिकॉर्ड-कम बिजली उत्पादन से यह स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को मांग-आपूर्ति के अंतर को कम करने के लिए विभाग के हस्तक्षेप से भी अवगत कराया।

बताया गया कि बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए पिछली सर्दियों से पर्याप्त क्षमता वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फीडरों के नुकसान प्रोफाइल के आधार पर लोड कटौती कार्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने और बिजली के आवंटन को बढ़ाने के विकल्प तलाशने का निर्देश दिया।

उन्होंने कानून का पालन करने वाले उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए सभी को बिजली प्रदान करने में समानता के महत्व पर भी जोर दिया, और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि विशेष रूप से इस भीषण ठंड के दौरान आम जनता को पर्याप्त बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराई जाए। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने बैठक में वर्चुअल रूप से भाग लिया, बैठक में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, प्रमुख सचिव पीडीडी राजेश एच. प्रसाद, प्रबंध निदेशक जेकेपीटीसीएल, प्रबंध निदेशक केपीडीसीएल और बिजली विकास विभाग के विभिन्न विंग के मुख्य अभियंता भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बिजली वितरण प्रणाली की निगरानी और दक्षता में सुधार के लिए वितरण ट्रांसफार्मर और फीडरों की स्मार्ट मीटरिंग की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। बाद में, मुख्यमंत्री ने लोड मॉनिटरिंग सिस्टम की समीक्षा करने के लिए बेमिना में सब लोड डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। उन्हें बिजली लोड और खपत का डिवीजन और जिलावार ब्यौरा दिया गया और उन्होंने अधिकारियों को अधिकतम दक्षता के साथ बिजली आवंटित करने और व्यवधानों को कम करने का निर्देश दिया।

## धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मामलों में वांछित पीएसए के तहत गिरफ्तार

**श्रीनगर, 23 दिसंबर** । पुलिस ने एक 33 वर्षीय जालसाज बिलाल अहमद उर्फ डॉ. बिलाल को गिरफ्तार किया है जो हंदवाड़ा का रहने वाला है और जम्मू-कश्मीर में धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मामलों में वांछित था। आरोपी को उसके खिलाफ पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) वारंट जारी होने के बाद बिजबिहाड़ा पुलिस स्टेशन की एक टीम ने नई दिल्ली में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि बिलाल अहमद पर वाहन खरीद और सब्सिडी योजनाओं के लिए बैंक ऋण का झूठा वादा करके अर्धसैनिक बलों के जवानों सहित दर्जनों व्यक्तियों को धोखा देने का आरोप है। जांच में पता चला कि उसने सीआरपीएफ कर्मियों के नाम पर ऋण प्राप्त करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया, व्यक्तिगत लाभ के लिए उनकी पहचान का फायदा उठाया। बयान में कहा गया कि आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज कम से कम 14 मामले शामिल हैं, साथ ही विभिन्न अदालतों में उसके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की सहायता से दिल्ली के जामिया मस्जिद इलाके में व्यापक निगरानी के बाद उसकी गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी से महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए जिसमें सीआरपीएफ कर्मियों के नाम पर सात आईसीआईसीआई बैंक के डेबिट कार्ड, एक लैपटॉप, एक मोबाइल फोन, जाली मुहरें, बैंक दस्तावेज और पहचान पत्र शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि आरोपी की गतिविधियों की पूरी जानकारी के लिए आगे की जांच चल रही है

## अज्ञात बीमारी से एक महिला की मौत, मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हुई

**राजौरी, 23 दिसंबर।** जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक अज्ञात बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है, आज एक महिला ने रहस्यमय बीमारी के कारण अंतिम सांस ली जिसके बाद अधिकारियों ने उसकी मौत के कारण का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बदहाल गांव की निवासी महिला की अचानक चिकित्सा जटिलताओं के बाद मृत्यु हो गई जिसमें शुरुआती लक्षण पहले की मौतों से मिलते-जुलते नहीं थे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने उसकी मौत के कारण का पता लगाने के लिए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। महिला ने पहले अपने दो बेटों और एक बेटी को 'रहस्यमय' बीमारी के कारण खो दिया था। अधिकारियों ने बताया कि जांच में तेजी लाने और बीमारी की पहचान करने के लिए राजौरी में एक जैव सुरक्षा स्तर 3 (बीएसएल-3) मोबाइल प्रयोगशाला भेजी गई है।

## एक देश-एक चुनाव पर बनी जेपीसी की पहली बैठक आठ जनवरी को

**नई दिल्ली, 23 दिसंबर** । एक देश-एक चुनाव पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की पहली बैठक आठ जनवरी को होगी। जेपीसी के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने यह बैठक बुलाई है। बैठक में लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में एक साथ चुनाव कराने के लिए प्रस्ताव पर चर्चा होगी। संसदीय सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस बैठक में अधिकारी दो महत्वपूर्ण विधेयकों- संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र (कानून) संशोधन विधेयक के बारे में जानकारी देंगे। इन विधेयकों का मकसद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के लिए जरूरी बदलाव करना है। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह इन विधेयकों को लोकसभा में पेश किया गया था। इसके बाद शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन इन्हें संसदीय समिति के पास भेजा गया था।इसके लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित की गई थी। पहले समिति में सदस्यों की संख्या 31 थी लेकिन कई राजनीतिक दलों ने इसमें शामिल होने की इच्छा जताई तो इसकी संख्या बढ़ाकर 39 कर दी गई। भाजपा सांसद पी.पी. चौधरी इस समिति के अध्यक्ष हैं जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पुरुषोत्तम रूपाला, मनीष तिवारी और कई पहले कार्यकाल के सांसद- प्रियंका गांधी, बांसुरी स्वराज और संबित पात्रा भी समिति के सदस्य हैं। समिति में लोकसभा के 27 सदस्य और राज्यसभा के 12 सदस्य यानी कुल 39 सदस्य हैं।

## भारत ने बंगलादेश के शेख हसीना को वापस भेजने का अनुरोध ठुकराया

**नयी दिल्ली, 23 दिसंबर।** भारत ने सोमवार को पुष्टि की कि उसे बंगलादेश से एक राजनयिक नोट मिला है जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस भेजने का अनुरोध किया गया है और कहा कि उसे इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं करनी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा , हम पुष्टि करते हैं कि हमें प्रत्यर्पण अनुरोध के संबंध में आज बंगलादेश उच्चायोग से एक नोट मिला है। इस समय हमें इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है , जब बंगलादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उसने औपचारिक रूप से भारत सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस ढाका भेजने के लिए कहा है। सुश्री हसीना गत 05 अगस्त को 'छात्रों के नेतृत्व वाले' विरोध प्रदर्शन

में अपनी सरकार को हटाए जाने के बाद से भारत में रह रही हैं।डेलीसन की रिपोर्ट के मुताबिक बंगलादेश की सेना समर्थित अंतरिम सरकार के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा, हमने भारत को अपनी स्थिति से स्पष्ट रूप से अवगत करा दिया है। हमने बता दिया है कि हम उन्हें (हसीना को) न्यायिक प्रक्रिया के लिए वापस चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बंगलादेश और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि पहले से ही मौजूद है, और इस संधि के तहत सुश्री हसीना को बांग्लादेश वापस लाया जा सकता है। यह मौखिक नोट देश के वर्तमान गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी के यह कहे जाने के बाद भेजा गया था कि उनके मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है, जिसमें सुश्री हसीना की वापसी की सुविधा के लिए भारत से संपर्क करने का आग्रह किया गया है। बिजनेस स्टैंडर्ड बीडी के अनुसार बंगलादेश में अवामी लीग सरकार के पतन के बाद सुश्री हसीना, अवामी लीग और 14 पार्टी गठबंधन के नेताओं और विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में कथित रूप से गायब होने, हत्या, नरसंहार तथा मानवता के खिलाफ अपराध के कम से कम 60 मामले या शिकायतें दर्ज की गयी है।

## राज्य चुनाव आयोग ने पंचायत मतदाता सूची 2025 के लिए संशोधित संशोधन कार्यक्रम जारी किया

**जम्मू 23 दिसंबर।** राज्य चुनाव आयोग, जम्मू-कश्मीर ने पंचायत मतदाता सूची-2025 के अद्यतनीकरण के संबंध में संशोधित संशोधन कार्यक्रम जारी किया।

इस संबंध में राज्य चुनाव आयुक्त बी.आर. शर्मा द्वारा जारी संशोधित तिथियों के अनुसार, दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए फॉर्म की पंचिंग 26.12.2024 को की जाएगी, दावे और आपत्तियों का निपटान 06.01.2025 को ईआरओ द्वारा किया जाएगा जबकि अंतिम पंचायत मतदाता सूची 2025 का प्रकाशन 20.01.2025 को किया जाएगा।

## युवाओं की रचनात्मक क्षमता समाज के अन्य क्षेत्रों को लाभान्वित करेगी : एलजी सिन्हा

**जम्मू 23 दिसंबर।** उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने इस अवसर पर आईजीएनसीए, कलाकारों, लेखकों, शोधकर्ताओं, कला प्रेमियों, नवप्रवर्तकों और छात्रों को बधाई दी। उन्होंने जम्मू को आईजीएनसीए का क्षेत्रीय केंद्र समर्पित करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और आईजीएनसीए के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा जम्मू की लोक परंपरा मूल्यों और आदर्शों का स्रोत रही है, जिसने सदियों से समाज को बनाए रखा है और मेरा मानना है कि आईजीएनसीए का क्षेत्रीय केंद्र जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए संस्कृति के गुणों को पोषित करने के लिए एक रूपरेखा तैयार करेगा। यह केंद्र हमारी समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार और संरक्षण को बढ़ावा देगा और समय-परीक्षित पारंपरिक ज्ञान और ज्ञान के विकास में मदद करेगा। उपराज्यपाल ने बुद्धिजीवियों से जम्मू-कश्मीर की

समृद्ध कलात्मक विरासत को बढ़ावा देने और वैदिक मौखिक परंपरा को संरक्षित और प्रचारित करने के लिए आईजीएनसीए जैसे संगठनों के साथ काम करने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने कहा हमारी सभ्यतागत विरासत एक ऐसी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है जो सर्वव्यापी है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा पर आधारित है, जिसका अर्थ है दुनिया एक परिवार है। यह मंत्र आज भी दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उपराज्यपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर में सांस्कृतिक पुनरुत्थान देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में जम्मू में आईजीएनसीए केंद्र लोक परंपराओं के प्रचार, विकास और संवर्धन के लिए सरकार के प्रयासों को और मजबूत करेगा। नई पीढ़ी में कलात्मक मानसिकता विकसित करने के लिए प्रबुद्ध नागरिकों और हितधारकों की भूमिका पर जोर देते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि युवाओं की रचनात्मक क्षमता से समाज के अन्य क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने योगिनी लल्लेश्वरी, नन्द ऋषि, हब्बा खातून, परमानंद, दत्तू, ठाकुर रघुनाथ सिंह, पंडित हरदत्त, गंगाराम, पद्मा सचदेव जैसे महान विचारकों और लेखकों की कृतियों को विशेष रूप से युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेजी से हो रहे इस बदलाव के दौर में यह सुनिश्चित करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि क्षेत्रीय साहित्य, लोक संगीत, नाटक शैली और पहाड़ी कला पर लेख, मोनोग्राफ पुस्तकें हर घर का हिस्सा बनें।

## अंगदान को लेकर लोगों की झिझक को दूर करने में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका : राष्ट्रपति

**नई दिल्ली, 23 दिसंबर।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश में अंग प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा कर रहे लोगों का हवाला देते हुए कृत्रिम अंगों के विकास और अंगदान के बारे में जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंगदान को लेकर आम लोगों में एक प्रकार की झिझक होती है और इसे दूर करने में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रपति सोमवार को नई दिल्ली में वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश में अंग प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा कर रहे लोगों की सूची बढ़ती ही जा रही है। इस कमी को दूर करने में कृत्रिम अंगों का विकास और लोगों द्वारा अंगदान करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अंगदान का बढ़ावा देने के लिए इस अस्पताल परिसर में ही राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) की स्थापना की गई है। यह संगठन अंगदान और प्रतिरोपण के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ अंग और ऊतक दान के लिए लोगों को जागरूक भी बनाता है। अंगदान के प्रति आम लोगों में एक तरह की झिझक होती है। इस झिझक को दूर करने में डॉक्टरों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

## सरकार जम्मू-कश्मीर में आरक्षण नीति को तर्कसंगत बनाने के अपने वादों पर काम करे : इल्तिजा

**श्रीनगर, 23 दिसंबर** । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि वे चाहती हैं कि सरकार जम्मू-कश्मीर में आरक्षण नीति को तर्कसंगत बनाने के अपने वादों पर काम करे। उन्होंने कहा कि आरक्षण विरोधी प्रदर्शन में हिस्सा लेने का मतलब यह नहीं है कि पीडीपी समाज के किसी वर्ग के खिलाफ है बल्कि जनसंख्या के अनुपात के अनुसार सीटों को समान रूप से वितरित करने की आवश्यकता है।इल्तिजा ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समयबद्ध आश्वासन देंगे और छात्र समुदाय के व्यापक हित के लिए इस मुद्दे को संबोधित करेंगे। इल्तिजा मुफ्ती ने श्रीनगर में आरक्षण विरोधी प्रदर्शन के दौरान संवाददाताओं से कहा कि उम्मीद है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समयबद्ध आश्वासन देंगे। हम लंबे समय से वादे सुनते आ रहे हैं लेकिन हम आरक्षण में तर्कसंगतता चाहते हैं। हम चाहते हैं कि सरकार अपने वादों पर काम करे। हम यहां कोई राजनीति करने नहीं आए हैं बल्कि छात्रों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने और आरक्षण नीति में तर्कसंगतता लाने के लिए दबाव बनाने आए हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से लेगी तो उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी बात पर अमल करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में एक उप-समिति का गठन किया है लेकिन हमें आज तक कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। इस मुद्दे को समयबद्ध तरीके से हल करने की जरूरत है। जब पूछा गया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है तो इल्तिजा ने कहा कि अगर मामला न्यायालय में विचाराधीन है तो क्या हमें घर बैठना चाहिए। हमें छात्रों के लिए वह करना चाहिए जो हम कर सकते हैं।

## आरक्षण कोटे का युक्तिकरण जनसंख्या के अनुपात के अनुसार सुनिश्चित किया जाना चाहिए : रूहुल्लाह मेहदी

**श्रीनगर, 23 दिसंबर** । सांसद आगा रूहुल्लाह मेहदी ने सोमवार को कहा कि आरक्षण कोटे का युक्तिकरण जनसंख्या के अनुपात के अनुसार सुनिश्चित किया जाना चाहिए और वे कैबिनेट उप-समिति के गठन से संतुष्ट नहीं हैं और छात्रों की संतुष्टि उनके लिए मायने रखती है।

मुख्यमंत्री के आवास के बाहर सभा को संबोधित करते हुए आगा रूहुल्लाह ने कहा कि आरक्षण नीति में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए और नीति को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले या जनसंख्या के अनुपात के अनुसार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही छात्रों को आश्वस्त किया है कि उनकी शिकायतें वास्तविक हैं और वे न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि मैंने छात्रों से वादा किया था कि मैं उनके पक्ष में प्रदर्शन करूंगा और आज हम उनके लिए लड़ने के लिए यहां हैं। हम अनुकूल परिणाम पाने के लिए हर मंच पर छात्रों के पक्ष में अपनी आवाज उठाएंगे। मुझे पता है कि सरकार ने आपकी बात सुनी है और एक कैबिनेट उप-समिति बनाई है। लेकिन मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं और मैं केवल तभी संतुष्ट होऊंगा जब छात्र संतुष्ट होंगे। उन्होंने कहा कि मैं कोई अराजकता नहीं चाहता और मैं यहां अपनी पार्टी को विभाजित करने के लिए नहीं आया हूं। मैं न्याय मांगने के लिए हर दरवाजे पर जाऊंगा। लेकिन अगर कोई जम्मू-कश्मीर में अराजकता पैदा करना चाहता है तो मैं उनका विरोध करने के लिए सड़कों पर भी उतरूंगा। रूहुल्लाह ने उन्हें अपना समर्थन देने के लिए पीडीपी नेताओं जिनमें विधायक पुलवामा वहीद पारा और इल्तिजा मुफ्ती और अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) शामिल हैं का शुक्रिया अदा किया।

## कृषि मंत्री द्वारा किसानों के कल्याण, कृषि और संबद्ध क्षेत्र को मजबूत करने हेतु सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि

**जम्मू 23 दिसंबर।** राष्ट्रीय किसान दिवस 2024 के अवसर पर, कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के प्रति समर्पण के लिए जम्मू-कश्मीर के कृषक समुदाय के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कृषि को क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत का आधार बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने कहा, आज, हम अपने किसानों के उल्लेखनीय योगदान का जश्न मनाते हैं, जो जम्मू-कश्मीर की समृद्ध कृषि विरासत को बनाए रखते हैं। उन्होंने क्षेत्र की विश्व स्तर पर प्रशंसित उपज पर प्रकाश डालते हुए कहा, पंपोर के विश्व प्रसिद्ध केसर से लेकर जम्मू के प्रीमियम बासमती चावल तक, जैविक अखरोट से

लेकर कश्मीर घाटी के बेहतरीन सेब तक, हमारे किसान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मंचों पर हमें गौरवान्वित करते हैं। कृषक समुदाय के उत्थान के लिए सरकार की पहलों का विवरण देते हुए, मंत्री ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम पर जोर दिया, जो पाँच वर्षों में 5,013 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली एक व्यापक पहल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि उत्पादन को लगभग दोगुना करके 65,700 करोड़ रुपये सालाना करना, 2.8 लाख नौकरियाँ पैदा करना, 19,000 उद्यम स्थापित करना और 2.5 लाख व्यक्तियों को आधुनिक कृषि पद्धतियों में प्रशिक्षित करना है। उन्होंने बताया कि इन उपायों के अलावा, सरकार ने किसानों के लिए वन-स्टॉप सहायता केंद्रों के रूप में 500 किसान खिदमत घर स्थापित किए हैं, जिनकी संख्या बढ़ाकर 1,500 करने की योजना है। किसान संपर्क अभियान के तहत जनपहुंच प्रयासों को भी कृषक समुदाय से अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ने के लिए बढ़ाया जा रहा है। मंत्री ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना का भी उल्लेख किया, जो जलवायु-स्मार्ट खेती, कृषि व्यवसाय विकास और कमजोर कृषक समुदायों के लिए समर्थन पर केंद्रित 1,800 करोड़ रुपये की पहल है।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

सर्दियों की शुरुआत से ही कई लोग फिट रहने के लिए कई तौर-तरीके आजमाना शुरू कर देते हैं। कोई सुबह उठकर दौड़ लगाता है तो कोई मैदान में जाकर कसरत करता है। कोई स्वीमिंग पूल में जाकर तैरना शुरू करता है तो कोई फुटबॉल,क्रिकेट,वॉलीबॉल अन्य खेल खेलना शुरू कर देता है। कोई एरोबिक्स से अपने को तंदुरुस्त रखने की कोशिश करता है तो कोई योगा का सहारा लेता है।

# सर्दियों में फिटनेस के स्मार्ट टिप्स

फिट रहने के लिए शारीरिक कसरत जरूरी होती है। आमतौर पर देखा गया है कि लोग रूटीन कसरत इसलिए शुरू नहीं कर पाते हैं कि उनमें आवश्यक इच्छाशक्ति की कमी होती है। यही वजह है कि लोग पैदल चलने जैसी सामान्य कसरत भी शुरू नहीं करते और बेवजह मोटापे और बीमारी से घिरे रहते हैं। दरअसल सारा मसला शारीरिक कसरत से जुड़ा है। आप कुछ भी करें, चाहे तो खेलें या फिर जिम जाएं, शारीरिक क्रियाओं से आपकी इकट्ठा की हुई ऊर्जा खर्च होना चाहिए।

## पैदल चलना सबसे अच्छा

हम सभी ने जीवन में पैदल चलकर शरीर की इस सबसे सुरक्षित कसरत के गुणों को पहचाना है, लेकिन आज पैदल चलने वालों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है। चलने से आपके फेफड़े खुलते हैं और आपका रक्त संचार तेज होता है। इससे आपकी नसों में खून का दौरा बढ़ता है और हृदय की कसरत होती है। शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं। आप अकेले पैदल घूमने निकल सकते हैं अथवा अपने घर के सदस्यों के साथ या दोस्तों के साथ भी जा सकते हैं। अपनी प्यारी सवारी यानी साइकल को निकालें और रोज दस किलोमीटर साइकलिंग करें। इससे जहां आपके घुटने के जोड़ों पर दबाव नहीं पड़ेगा, वहीं पूरे शरीर की बढ़िया कसरत भी हो जाएगी। फिटनेस के लिए जॉगिंग से बेहतर कोई दूसरी कसरत नहीं है, खासतौर पर युवाओं के लिए। रनिंग या जॉगिंग के लिए आपको अच्छे और गद्देदार जूतों के अलावा और किसी दूसरे खर्च की जरूरत नहीं होती।

## खेल, नृत्य और तैरना है फायदेमंद

फिटनेस के लिए फुटबॉल और वॉलीबॉल के दो गेम पर्याप्त हैं। दोनों खेलों के लिए पूरी टीम हो, जरूरी नहीं है। शौक के तौर पर आधी टीम से भी इन्हें खेला जा सकता है। बैडमिंटन भी एक जबरदस्त कसरत है। इसके अलावा डांसिंग यानी एरोबिक्स भी एक तरह की कसरत ही है। इससे दिल और फेफड़े मजबूत हो जाते हैं। साथ ही शारीरिक संतुलन भी सुधर जाता है। आप जितनी मर्जी हो, उतने समय तक डांस कर सकते हैं। कहा जाता है कि तैरने और घुड़सवारी से बड़ी कोई कसरत नहीं होती, जिसमें शरीर के हर हिस्से का इस्तेमाल किया जाता है। तैराकी शुरू करने में उतना भी खर्च नहीं करना पड़ता, जितना दौड़ने के जूते खरीदने में हो सकता है। दरअसल तैराकी के लिए आपको सिर्फ एक बढ़िया स्वीमिंग-कॉस्टयूम की जरूरत होती है। यदि आप किसी नदी या तालाब में तैराकी करते हैं तो इससे अच्छा विकल्प नहीं है।

## वॉर्म अप और कूल डाउन

किसी भी कसरत को शुरू करने से पहले वॉर्म अप और बाद में कूल डाउन का विशेष महत्व है और इसे नहीं भूलना चाहिए। कसरत के बाद शरीर के बढ़े हुए तापमान को धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लाना चाहिए। इस दौरान स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज लगातार जारी रहना चाहिए। ध्यान रहे सांस फूलने लगे तो अपने चिकित्सक से जरूर मिलें और उसकी सलाह पर ही जॉगिंग करें। याद रखें आप तीन महीनों में मेरॉथान नहीं दौड़ने लगेंगे। इसलिए उतना ही दौड़ें, जितना आपका शरीर इजाजत दे।

जब हम कभी समंदर किनारे बैठे हुए सूर्यास्त के दृश्य को देख रहे होते हैं जिसमें सूर्य का पीला रंग नारंगी रंग में फिर गुलाबी, फिर जामुनी और धीरे-धीरे हल्का होते हुए मंद पड़ता जाता है तब हम बहुत शांति महसूस करते हुए आराम के लिए तैयार हो जाते हैं।

हाई ब्लडप्रेशर मुख्यत: आंख के पर्दे (रेटिना)को प्रभावित करता है। पर्दे में मौजूद रक्त की नसों के क्षतिग्रस्त होने पर उनमें से रक्तस्राव हो सकता है। डाइबिटीज, कॉलेस्ट्राल का बढ़ा हुआ स्तर व धूम्रपान की लत इन खतरों को कई गुना बढा देती है।

## हाई ब्लडप्रेशर से नहीं पड़ेगा आंखों पर प्रभाव

जाड़े के मौसम में रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसेल्स) के सिकुड़ जाने के कारण उच्च रक्तचाप (हाई ब्लडप्रेशर) के मामले बढ़ जाते हैं। हाई ब्लडप्रेशर मुख्यत- आंख के पर्दे (रेटिना)को प्रभावित करता है। पर्दे में मौजूद रक्त की नसों के क्षतिग्रस्त होने पर उनमें से रक्तस्राव हो सकता है। डाइबिटीज, कॉलेस्ट्राल का बढ़ा हुआ स्तर व धूम्रपान की लत इन खतरों को कई गुना बढा देती है। रक्त की नसों के क्षतिग्रस्त होने के कारण अक्सर रोगी में ग्लूकोमा (काला मोतिया) होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

**लक्षण** - सामान्यत: लक्षण देर से प्रकट होते हैं। रोगी को वस्तुएं दोहरी (डबल) दिखायी देती हैं या फिर वह कम दिखने की शिकायत करता है। उसे सिरदर्द भी हो सकता है।

**जांच** - आंख की पुतली फैलाकर पर्दे की जांच से रक्त की नसों की स्थिति देखना अनिवार्य है। रक्तस्राव का संदेह होने पर फ्लोरिसीन एंजियोग्राफी द्वारा क्षतिग्रस्त भाग का पता किया जाता है।

**उपचार व रोकथाम** - उच्च रक्तचाप का समुचित नियंत्रण रोकथाम का सबसे कारगर उपाय है। पर्दे की नियमित जांच व रक्तस्राव होने पर उसे लेजर द्वारा सील कराने से नेत्रों को होने वाली हानि को सीमित किया जा सकता है।

## लोकप्रिय हो रही है सूर्य-किरण थेरेपी

वैज्ञानिकों की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

# फाइब्राइड्स

## महिलाओं की आम बीमारी

यूटरस के अंदर बनने वाली मांसपेशियों के ट्यूमर को फाइब्राइड्स कहते हैं। यह अंगूर के आकार के हो सकते हैं और खरबूजे के आकार के भी। ये एक या अनेक भी हो सकते हैं। ज्यादातर में कैंसर होने का खतरा नहीं होता। 0.2 प्रतिशत मामलों में ही कैंसर होने की आशंका होती है।

फाइब्राइड्स हेवी ब्लीडिंग का कारण बनते हैं। फाइब्राइड्स छोटे हो या फिर यूटरस के बाहर हो तो उसमें किसी भी तरह के लक्षण नजर नहीं आएंगे। जो फाइब्राइड्स यूटरस के अंदर कैविटी में आ रहे होते हैं उनकी वजह है हेवी ब्लीडिंग होती है। इन्हें सबम्यूकस फाइब्राइड्स कहते हैं। ऐसे बड़े फाइब्राइड्स जो यूटरस के साइज और उसकी कैविटी को बड़ा कर देते हैं हेवी ब्लीडिंग का कारण बनते हैं। फाइब्राइड्स का आकार बड़ा होने पर यह शरीर के दूसरे अंगों जैसे रेक्टम और ब्लैडर पर लगातार दबाव बनाए रखते हैं। यह माहवारी के समय मुश्किलें खड़ी कर देते हैं। अगर गर्भ में भ्रूण हो तो यह ट्यूमर एक तरह से उसकी जगह को भी घेर लेते हैं। इससे गर्भपात या प्रिटर्म बर्थ होने का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि डिलीवरी ऑपरेशन से ही होगी। इस्ट्रोजन एक तरह से इसका भोजन है।

**लक्षण** - इसमें पीरियड्स कैंप्स और दर्द के साथ आते हैं।

**ट्रीटमेंट** - अल्ट्रा साउंड या एमआरआई कराने पर फाइब्राइड्स होने की पुष्टि होती है।

- जो युवतियां गर्भवती होना चाहती हैं उनमें फाइब्राइड्स के साइज को कम करने के लिए हारमोंस के इंजेक्शन दिए जाते हैं।
- अन्य महिलाओं में सर्जरी से फाइब्राइड्स या पूरा यूटरस निकाल सकते हैं।
- अब ऐसे नए इलाज आ गए हैं जिनमें यूटरस के साथ छेड़छाड़ किए बिना फाइब्राइड्स को निकाला जा सकता है।
- इन ट्रीटमेंट में मयोलाएसिस (लेजर रिमूवल), मयोमेक्टामी(सर्जिकल रिमूवल), यूटराइन ऑर्टरी एंबोलाइजेशन (नॉन सर्जिकल ट्रीटमेंट-फोम का इंजेक्शन धमनियों में दिया जाता है और फाइब्राइड्स में होने वाली ब्लड सप्लाई को काट दिया जाता है) शामिल है। बिना सर्जरी वाले ट्रीटमेंट में रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन में हीय एनर्जी का इस्तेमाल करके ट्यूमर को नष्ट कर देते हैं। दूसरे ट्रीटमेंट में एमआरआई की मदद से अल्ट्रासाउंड सर्जरी की जाती है जो फाइब्राइड्स को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ देती है।

# सेहत के लिए रंगबिरंगी सांसें लीजिए...

जब हम आसमान में उगते हुए सूरज को देखते हैं तो हल्की पीली सुनहरी और बैंगनी रश्मियों के साथ हम हृदय से आनंदित होते हैं और उस दिन खुद को अधिक सजीव महसूस करते हैं। इसी प्रकार जब कभी समंदर किनारे बैठे हुए सूर्यास्त के दृश्य को देख रहे होते हैं जिसमें सूर्य का पीला रंग नारंगी रंग में फिर गुलाबी, फिर जामुनी और धीरे-धीरे हल्का होते हुए मंद पड़ता जाता है तब हम बहुत शांति महसूस करते हुए आराम के लिए तैयार हो जाते हैं। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि रंग हमारे शरीर को सुकून पहुंचाते हैं। स्वास्थ्य को संतुलित करते हैं तथा जीवन को एक सकारात्मक दृष्टि प्रदान करते हैं। बैठे रहें या लेट जाएं जिसमें आप अधिक आरामदायक महसूस करें। सांसों को बिल्कुल प्राकृतिक तरीके से चलने दें। आप अपनी स्वास्थ्य सुविधा के लिए कल्पना में सतरंगी सांसें लें। आप इस सूची का अनुसरण अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए कर सकते हैं।

**लाल**- इस रंग की सांस का प्रयोग आप जीवन शक्ति और तेजस्विता में वृद्धि के लिए कर सकते हैं। इसके लिए लाल रंग की सांस लें और फिरोजी रंग को बाहर निकालें।

**नारंगी**- नारंगी रंग की सांस आनंद में वृद्धि करेगी। इसमें नीले रंग की सांस बाहर निकालें।

**पीला**- पीले रंग की सांस लें और जामुनी रंग को बाहर निकालें। इससे आप ज्यादा उद्देश्यपूर्ण और बुद्धिमान हो जाएंगे।

**हरा**- हरे रंग को सांसों के माध्यम से भीतर लें और मजेंटा को बाहर निकालें इससे संतुलन और स्वच्छता की वृद्धि होगी।

**फिरोजी**- फिरोजी रंग की सांस आपकी शक्ति को बढ़ाएगी और इससे आपका इम्यून सिस्टम भी सुधरेगा। इसमें लाल रंग को बाहर निकालें।

**नीला**- नीले रंग की सांस आराम में वृद्धि में सहायक होगी। इसमें आप शांति महसूस करेंगे। इसमें नारंगी रंग की सांस को बाहर निकालें।

**जामुनी**- आत्मसम्मान की भावना के लिए जामुनी रंग की सांस लें। इससे आप खुद की भावनाओं के साथ स्वयं को जोड़ पाएंगे और यह आपकी सुंदरता को भी बढ़ाएगा। इसमें पीले रंग की सांस को बाहर निकालें।

**मजेंटा**- इस रंग की सांस लेने से आपका व्यक्तित्व सम्मोहन करने वाला हो सकता है। इसमें हरे रंग की सांस को बाहर निकालें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

# जेकेएनसी ने जम्मू के शेर-ए-कश्मीर भवन में एकता और सद्भाव के साथ क्रिसमस मनाया

**जम्मू, 23 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) ने जम्मू के शेर-ए-कश्मीर भवन में उत्साह और गर्मजोशी के साथ क्रिसमस मनाया। जेकेएनसी के क्रिश्चियन सेल के अध्यक्ष वारिस गिल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जेकेएनसी के अतिरिक्त महासचिव मुस्तफा कमाल, वरिष्ठ नेता और पूर्व स्पीकर मुबारक गुल, पूर्व मंत्री और अतिरिक्त महासचिव जम्मू अजय कुमार सढोत्रा, जम्मू जेकेएनसी के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता, पूर्व मंत्री और सेंट्रल जोन के अध्यक्ष बाबू रामपॉल, जम्मू के प्रांतीय सचिव शेख बशीर अहमद सहित कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया।

समारोह की शुरुआत केक काटने के साथ हुई। सभा को संबोधित करते हुए मुस्तफा कमाल ने ईसाई समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने में त्योहारों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा क्रिसमस हमें करुणा, शांति और मानवता के मूल्यों की याद दिलाता है जो हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने का सार हैं। वहीं मुबारक गुल और अजय कुमार सढोत्रा ??ने अपने संबोधन में सांप्रदायिक सद्भाव और आपसी सम्मान के महत्व पर जोर दिया जो जम्मू-कश्मीर के लोकाचार को परिभाषित करता है। उन्होंने कहा क्रिसमस मानवता के लिए एक संदेश है कि वे एक साथ आएं, एक-दूसरे से प्यार करें और विश्वास और समझ के आधार पर समाज का निर्माण करें। जेकेएनसी सभी समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है। प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने सभी के लिए समावेशिता और समान अवसरों के प्रति पार्टी के समर्पण को दोहराया। उन्होंने कहा जेकेएनसी ने हमेशा धर्मनिरपेक्षता और एकता की वकालत की है। इस शुभ अवसर पर हम सभी से भाईचारे के बंधन को मजबूत करने और हमारे प्यारे जम्मू-कश्मीर की प्रगति और समृद्धि में योगदान देने का आग्रह करते हैं।

# स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाने के लिए राजौरी में कौशल विकास कैडर शुरू किए

**जम्मू, 23 दिसंबर (हि.स.)।** ऑपरेशन सद्भावना के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय सेना ने राजौरी जिले के डीइंग (कलाल), परात और लाम गांवों में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। इलेक्ट्रीशियन, बढ़ईगीरी और सैनिक स्कूल की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने वाले कौशल-विकास कैडर का उद्देश्य क्षेत्रीय विकास संबंधी चुनौतियों का समाधान करते हुए स्थानीय युवाओं की रोजगार क्षमता और आत्मनिर्भरता को बढ़ाना है।

व्यावहारिक विशेषज्ञता और आधुनिक कौशल के लिए डिज़ाइन किया गया यह कार्यक्रम 25-30 से अधिक व्यक्तियों को लाभान्वित करेगा और उन्हें अपने समुदायों में योगदान देने या स्व-रोज़गार उद्यम स्थापित करने के लिए मूल्यवान व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा। प्रतिभागियों को उनके सीखने का समर्थन करने के लिए इलेक्ट्रीशियन टूलकिट से लैस किया गया है और कैडर के अंत में पूरा होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। कौशल विकास की आवश्यकता को संबोधित करके कैडर युवाओं को बेहतर भविष्य सुरक्षित करने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करने का मार्ग प्रदान करते हैं।

# जम्मू महोत्सव में एसएमवीडीयू ने शिक्षा और सामुदायिक विकास में उत्कृष्टता का प्रदर्शन

**जम्मू, 23 दिसंबर (हि.स.)।** श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) ने जम्मू के जीजीएस साइंस कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय जम्मू महोत्सव 2024 में भाग लिया। लद्दाख जम्मू कश्मीर आर्थिक विकास और विकास वार्ता (लीड) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने क्षेत्रीय संस्थानों को शिक्षा, विकास और नवाचार में अपने योगदान को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। एक समर्पित स्टॉल पर, एसएमवीडीयू ने अपने विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों-स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट- पर प्रकाश डाला, साथ ही प्रवेश प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी भी साझा की। संकाय और विद्वानों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को उत्साहपूर्वक प्रदर्शित किया। मुख्य आकर्षणों में

एसएमवीडीयू की प्रभावशाली सामुदायिक विकास पहल जैसे विकल्प, एक कार्यक्रम जहां छात्र वंचित बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का सक्रिय योगदान शामिल था। स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर और कौशल विकास कार्यक्रमों जैसी एनएसएस के नेतृत्व वाली गतिविधियों ने विश्वविद्यालय के समुदाय-केंद्रित लोकाचार को रेखांकित किया जबकि एनसीसी के नेतृत्व और देशभक्ति-निर्माण पह, जिसमें अभ्यास और जागरूकता अभियान शामिल हैं ने अनुशासन और राष्ट्रीय सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित किया। टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (टीबीआईसी) ने भी महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया जिसमें उभरते स्टार्टअप के लिए परामर्श और संसाधन समर्थन के माध्यम से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में एसएमवीडीयू की भूमिका को प्रदर्शित किया गया।

# पूर्व केंद्रीय अर्धसैनिक बल कल्याण संघ ने कर्मियों के लिए न्याय की मांग की

**जम्मू, 23 दिसंबर (हि.स.)।** पूर्व केंद्रीय अर्धसैनिक बल कल्याण संघ ने महासचिव डी.के. चौहान के नेतृत्व में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई जिसमें अर्धसैनिक कर्मियों और पूर्व सैनिकों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया गया। उठाए गए प्रमुख मुद्दों में वन रैंक वन पेंशन की कमी, अपर्याप्त चिकित्सा लाभ और ड्यूटी के दौरान मरने वाले कर्मियों को शहीद का दर्जा न देना शामिल था। चौहान ने सीमाओं और संघर्ष क्षेत्रों में सुरक्षा बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद अर्धसैनिक बलों के योगदान की उपेक्षा करने के लिए सरकार की आलोचना की। एसोसिएशन ने स्थानीय सांसदों और विधायकों से संसद में अपनी चिंताओं को उठाने और उनकी मांगों के लिए राजनीतिक समर्थन सुनिश्चित करने की अपील की। किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए एसोसिएशन ने न्याय और अर्धसैनिक कर्मियों के लिए समान व्यवहार के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने की कसम खाई।

# सांसद खटाना ने ऐतिहासिक दारुल उलूम देवबंद का दौरा किया

**जम्मू, 23 दिसंबर (हि.स.)।** वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना ने दारुल उलूम देवबंद का ऐतिहासिक दौरा किया। यह 1866 में स्थापित एक ऐतिहासिक इस्लामी मदरसा है। यात्रा के दौरान खटाना ने कुलपति मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी और प्रो कुलपति मौलाना अब्दुल खालिक मद्रासी के साथ चर्चा की। नेताओं ने मदरसा की समृद्ध शैक्षिक विरासत, इसकी समकालीन प्रासंगिकता और शिक्षा और सामुदायिक कल्याण में इसके मिशन को आगे बढ़ाने की पहल पर विचार-विमर्श किया। खटाना ने मदरसा की ऐतिहासिक लाइब्रेरी का दौरा किया जिसमें 800 साल से ज़्यादा पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियाँ और किताबें हैं और दारुल हदीस का दौरा किया। यहाँ उन्होंने जम्मू और कश्मीर के छात्रों सहित छात्रों से बातचीत की और उन्हें उनके शैक्षणिक प्रयासों में प्रोत्साहित किया और उनकी आकांक्षाओं का पता लगाया। खटाना की यात्रा में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. रेहान अख्तर कासमी, कुलपति के सलाहकार मौलाना रेहान कासमी और वरिष्ठ संकाय सदस्य मौलाना अब्दुल मलिक बिजनौरी सहित कई प्रमुख व्यक्ति मौजूद थे।

# सेना ने आशा स्कूलों और परोपकारी लोगों को 12 सेवानिवृत्त सैन्य कुत्ते उपहार में दिए

**जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)।** 246वें रिमाउंट वेटरनरी कोर दिवस के अवसर पर भारतीय सेना ने आशा स्कूलों और परोपकारी लोगों को 12 सेवानिवृत्त सैन्य कुत्ते उपहार में दिए हैं। आशा स्कूल रक्षा कर्मियों और नागरिकों के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, देखभाल और पुनर्वास प्रदान करते हैं। पीआरओ डिफेंस लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से अटूट निष्ठा के साथ राष्ट्र की सेवा करने वाले सेवानिवृत्त सैन्य कार्य कुत्ते अब जीवन में एक नया उद्देश्य पा रहे हैं वह है प्रेम, आनंद और साथ फैलाना। उन्होंने कहा कि इन असाधारण कुत्तों को उनके अद्वितीय प्रशिक्षण, शांत स्वभाव और अटूट समर्पण के साथ देश भर में विशेष बच्चों और परोपकारी नागरिकों के लिए स्कूलों द्वारा अपनाया जा रहा है, जो एक नए और सार्थक तरीके से अपनी सेवा जारी रख रहे हैं। पीआरओ डिफेंस ने बताया कि इन के-9 नायकों ने विभिन्न इलाकों और परिचालन स्थितियों में राष्ट्र की सेवा की है जिसमें सच्चे सैनिकों के समान, साहस और लचीलापन दिखाया गया है। विस्फोटकों और खानों का पता लगाने, हिमस्खलन बचाव, खोज और बचाव मिशन, ट्रैकिंग और रखवाली में उनका योगदान राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

# भाजपा नेताओं ने त्रिकुटा नगर मुख्यालय में जन शिकायतों को संबोधित किया

**जम्मू, 23 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर भाजपा के उपाध्यक्ष और विधायक शाम लाल शर्मा ने विधायक मोहन लाल भगत के साथ जम्मू के त्रिकुटा नगर में पार्टी मुख्यालय में जनता दरबार लगाया। इस कार्यक्रम में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 30 से अधिक प्रतिनिधिमंडलों ने वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं।

आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल ने स्थानांतरण नीतियों के बारे में चिंता जताई और न्यायसंगत समाधान की मांग की। अन्य महत्वपूर्ण शिकायतों में तालाब तिल्लो में वजीर लेन में सड़क के निर्माण का अनुरोध किया गया, रायपुर दोमाना, ठठर और खैरी में पानी की पंपिंग मशीनों की तत्काल मरम्मत की मांग, हैदरपुरा, श्रीनगर में शिक्षा विभाग में लंबित कार्यों पर प्रकाश डाला गया अन्य प्रतिनिधिमंडल ने अघोर में लंबित चोरी के मामले पर त्वरित कार्रवाई की मांग की, जौरियां, जम्मू में रेलवे विकास से संबंधित मुद्दे प्रस्तुत किए।

# बीसीजी वैक्सीन कार्यक्रम का शुभारंभ, विधायक डॉ. भारत भूषण ने अभियान की शुरुआत की

**कठुआ 23 दिसंबर (हि.स.)।** जिला प्रशासन ने उपायुक्त कठुआ डॉ. राकेश मिन्हास के मार्गदर्शन में सीएचसी नगरी में वयस्क बीसीजी वैक्सीन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य कमजोर वयस्क आबादी के बीच बीसीजी वैक्सीन की प्रभावशीलता का आकलन करना है, जो टीबी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।शुभारंभ कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण ने किया और इसमें राज्य क्षय रोग अधिकारी (जेएंडके) डॉ. ज्योति जॉली, सीएमओ कठुआ डॉ. विजय रैना, जिला क्षय रोग अधिकारी कठुआ डॉ. राधा कृष्ण और बीएमओ नगरी डॉ. विवेक मंगोत्रा सहित कई प्रतिष्ठित स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने भी भाग लिया, जिनमें से कुछ ने सर्वेक्षण अवधि के दौरान वैक्सीन प्राप्त करने का विकल्प चुना। भारत सरकार के वयस्क बीसीजी टीकाकरण अध्ययन के हिस्से के रूप में जिला कठुआ को कमजोर वयस्कों में वैक्सीन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए पायलट जिलों में से एक के रूप में चुना गया है।

# पुलिस शहीद टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे दिन दो मैच खेले गए

**कठुआ 23 दिसंबर (हि.स.)।** 13वें पुलिस शहीद स्मारक टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2024-25 के छठे दिन स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में दो मैच खेले गए। पहला मैच उत्तराखंड सीसी बनाम वर्मा क्लब साहनेवाल के बीच खेला गया जबकि दूसरा मैच हिल्स व्यू राजौरी बनाम लाइफ केयर लखनऊ टीम के बीच खेला गया।

टूर्नामेंट के छठे दिन सुबह का पहला मैच उत्तराखंड सीसी बनाम वर्मा साहनेवाल टीम के बीच खेला गया जिसमें उत्तराखंड सीसी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में मात्र 107 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम के मुख्य स्कोरर तुषार रहे जिन्होंने 26 गेंदों पर 4 चैकों की मदद से सर्वाधिक 33 रन बनाए तथा संयम अरोड़ा ने 14 गेंदों पर 3 चैकों की मदद से 16 रन बनाए। 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वर्मा

क्लब साहनेवाल की टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया जिसमें अंकित चैधरी ने 41 गेंदों पर 6 चैकों की मदद से 40 रन बनाए।

इस तरह वर्मा क्लब साहनेवाल की टीम ने यह मैच 3 विकेट से जीत लिया तथा उत्तराखंड सीसी टीम की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज देव रहे जिन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 9 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

# राष्ट्रीय गणित दिवस पर महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को किया याद

**कठुआ 23 दिसंबर (हि.स.)।** महिला डिग्री कॉलेज कठुआ के गणित विभाग ने आईक्यूएसी के तत्वावधान में कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ सवी बहल के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया।

राष्ट्रीय गणित दिवस हर साल 22 दिसंबर को महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिन्हें अब तक के सबसे महान गणितज्ञों में से एक माना जाता है। राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 का विषय गणित नवाचार और प्रगति का सेतु था। यह विषय दर्शाता है कि गणित की अवधारणाएँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कई अन्य विकासों के लिए बुनियादी हैं। यह नवाचार के एक उपकरण के रूप में गणित की सुंदरता को समझने के लिए छात्रों के बीच युवा दिमाग और समस्या-समाधान कौशल को प्रेरित और प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है। डॉ सावी बहल ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि रामानुजन स्व-शिक्षित थे, एक किताब से गणित सीखते थे और फिर जुनूनी रूप से उसका अनुसरण करते थे। उन्होंने विभाजन फंक्शन के गुणों सहित संख्याओं के सिद्धांत में अग्रणी खोज की। उन्होंने गणितीय समस्याओं को भी हल किया, जिन्हें पहले अघुलनशील माना जाता था। गणित विभाग की प्रमुख डॉ रेणु ने भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन इतिहास पर व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य लोगों को गणित के विकास और मानवता के विकास में इसके महत्व के बारे में जागरूक करना है।

# आंदोलन के 64वें दिन मूवमेंट कल्की का प्रतिनिधिमंडल मथवार बाबा बल्लू स्थान पहुंचा

**जम्मू, 23 दिसंबर (हि.स.)।** मूवमेंट कल्की का एक प्रतिनिधिमंडल जन जागरण अभियान के अंतर्गत प्रदर्शन के 64वें दिन आमफला, जम्मू से मथवार गांव, जो कि जम्मू जिले के भलवाल ब्लॉक में स्थित है, के बाबा बल्लू स्थान पर अपनी अर्जी लगाने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रीतम शर्मा ने किया जिसमें विक्रम महाजन, यशपाल शर्मा, सुषमा शर्मा, अनुराधा, नेहा, डॉ. सुदेश कुमार और काजल ने सक्रिय भागीदारी की।

प्रतिनिधियों ने बाबा बल्लू स्थान पर अपनी मांगों को प्रस्तुत किया और आंदोलन को आशीर्वाद प्राप्त किया। बाबा ने उनकी मांगों को उचित ठहराते हुए समर्थन का आश्वासन दिया और शीघ्र सकारात्मक परिणाम आने का संकेत दिया। मूवमेंट कल्की द्वारा चलाया जा रहा यह जन जागरण अभियान आज अपने 64वें दिन में प्रवेश कर चुका है। आंदोलनकारियों ने पुनः संकल्प लिया है कि जब तक उनकी प्रमुख मांगें पूरी नहीं होतीं, यह आंदोलन निरंतर जारी रहेगा।

आंदोलन की मुख्य मांगों में गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिलाना, सनातन बोर्ड का गठन और पशु तस्करों के खिलाफ सख्त कानून बनाना, गौ माता बोर्ड का गठन और नई गौशालाओं का निर्माण आदि शामिल है। आंदोलनकारियों ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि वे इन मांगों को गंभीरता से लें और त्वरित कार्रवाई करें। यह आंदोलन पूरी तरह अहिंसक और लोकतांत्रिक तरीके से संचालित हो रहा है, जिसमें समाज के हर वर्ग का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

# शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए योग शिविर का आयोजन

**जम्मू, 23 दिसंबर (हि.स.)।** शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के एक सराहनीय प्रयास में भारतीय सेना ने डोडा में भारत कंपनी ऑपरेटिंग बेस (सीओबी) में युवाओं के लिए योग शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में समग्र स्वास्थ्य के लिए योग के परिवर्तनकारी लाभों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से 43 नागरिक शामिल हुए।

प्रतिभागियों ने योग अभ्यास, आसन और प्राणायाम में भाग लिया जिसमें शुरुआती और अनुभवी दोनों तरह के अभ्यासकर्ताओं के लिए सत्र तैयार किए गए थे। कार्यक्रम में लचीलेपन, ताकत, मानसिक स्पष्टता और विश्राम पर जोर दिया गया, जिससे उपस्थित लोगों में उत्साह बढ़ा। सत्र के बाद की बातचीत में प्रतिभागियों को भारतीय सेना के एक प्रतिनिधि से जुड़ने का मौका मिला जिसमें नियमित योग अभ्यास के कई स्वास्थ्य लाभों पर चर्चा की गई। योग प्रशिक्षकों ने योग के समग्र लाभों पर प्रकाश डाला जिसमें मन, शरीर, विचार और क्रिया में सामंजस्य स्थापित करने की इसकी क्षमता पर जोर दिया गया। शिविर को स्थानीय लोगों से व्यापक सराहना मिली।

**UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR**
**OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION REASI**
**SHORT NOTICE INVITING TENDER(Through GeM Portal)**
**NIT No. 40of 2024-25 Dated 20-12-2024**

| S. No | Name of Work | Cost of document (in Rs) | Earnest Money (in Rs`) | Time Allowed for completion | Class of Contractor |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | Supply of various items in Residence of Deputy Commissioner Reasi | 600/- | 20000/- | 30 Days | 'A'B"C"D Class/GeM Register |
| | | | | | |

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Date of Publishing of Tender Notice | Mentioned in the Gem Portal |
| 2 | Period of downloading of bidding documents | Mentioned in the Gem Portal |
| 4 | Bid submission Start Date | Mentioned in the Gem Portal |
| 5 | Bid Submission End Date | Mentioned the Gem Portal |
| 6 | Date & time of opening of Technical Bids (Online) | Mentioned in the Gem Portal. |
| 7 | Date & time of opening of Financial Bids (Online) | Mentioned in the Gem Portal |

Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Reasi uploading a copy of treasury challan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan/ Bid Security/Affidavits between date of start of bid submission and bid submission end date) duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Reasias mentioned in the bid documentE-tender(throughGeMPortal)areinvitedundertwo-bid system frome ligible OEM's/Authorized resellers for PWD OFFICE REASI. The Bidder shall be registered with appropriate authority such as Registrar of Companies/Firms/Partnership Firms/MSME. Requirement/eligibility criteria, terms and condition so for the contract have been clarified in the additional documents.Tender document (includingadditionaldocuments) are available online on GeM Portal.Bidders are advised to read tender document (uploaded on website and on GeM portal) and check their eligibility be for eparticipating in the bid. The committee reserves the right to amend or withdraw any of the terms and conditions containedinthetender document including quantity/amountof itemstobesuppliedortorejectanyor all tenders without giving any notice or assigning any reason thereof. The decision of the committee in this regard shall be final
No:-4645-49 Dated:-20-12-2024

**SD/-**
**(Er. Bhopinder Kumar Banotra)**
**Executive Engineer**
**PWD (R&B) Division**
**Reasi**

**DIP/J-8516/24**
**Dtd:23-12-2024**

**Declaration on AFFIDAVIT**

**I/WeM/s having our registered Office in has/have participated in Gem Bid number dated and declare the following:**
**1) I/Weconfirm with our acceptance to the termsandconditions(S. No-1 to 37) givenin the bid document.**
**2) I/We willnot with draw my/ourbidsafter the due date of submissionof bids.**
**3) The buyer will not be responsible for non-deliverance/delay of communication due to shutdown of communicating medium or service provider.**
**4) It will be our responsibility to track the tendering processand completethe pending formalities and deliver the material within timelines.**
**5) Failing to fulfillthe requirement of the Gem Bid for which will be the lowest bidder, I/We will be liable to be barred for 12 months/blacklisted for future-tendering in the department/officeandthe EMD amount for the bid will be fortified.**
**6) I/We will a bid e with all the terms and conditions mentioned in the bid document and all the other related terms and conditions.**
**7) I/We are not blacklisted by any Govt./Semi? Govt./Public Sector organization. If it is found at later stage that our firm/company was blacklisted by a Govt./Semi Govt./Public Sector organization,then our EMD/bank guarantee should be forfeited by the department.**
**Dated:**

**Seal and signature of firm.**
**Mobile No_____**

# संपादकीय

## मुफ्त बिजली के इंतजार में

इसमें कोई संदेह नहीं है कि जम्मू-कश्मीर के लोग मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा उपभोक्ताओं को हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने के वादे के पूरा होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक मशहूर राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल से बातचीत के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला ने मार्च 2025 से इस वादे को पूरा करने की बात दोहराई, जिसके बाद लोगों का उत्साह एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है।

यह बताना उचित होगा कि मुफ्त बिजली के इस वादे ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी को हाल ही में जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनावों में हावी होने में मदद की है, क्योंकि उस समय बिजली शुल्क एक बड़ा मुद्दा था, खासकर स्मार्ट मीटर लगने के बाद, जिससे लोग काफी परेशान हैं क्योंकि कई वर्गों के लोगों ने आरोप लगाया है कि नए मीटर बिजली के उपयोग के अनुपात में रीडिंग नहीं दे रहे हैं, जिससे अत्यधिक बिल आ रहे हैं।

इसलिए मुफ्त बिजली के वादे का काफी उत्सुकता से स्वागत किया जा रहा है, खासकर समाज के गरीब तबके के लोगों में, जो बिजली की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं। स्मार्ट मीटर के कारण उपभोक्ताओं में चिंता बढ़ गई है, उनमें से कई को बिजली के बिल में बढ़ोतरी का डर है, इसलिए समाज के गरीब तबके के लोग इस राहत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि बिजली का खर्च बहुत बढ़ गया है। 200 मुफ्त यूनिट का वादा सीमित आय और कम संसाधनों वाले लोगों के लिए संभावित जीवन रेखा के रूप में देखा जाता है। हालांकि, इसके कार्यान्वयन में देरी से लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है, क्योंकि वे इस बड़े वादे के लागू न होने के डर से चिंतित हो रहे हैं, जिसमें हाशिए के तबकों को दैनिक जीवन के सबसे बड़े खर्चों में से एक बिजली बिल से उबारने की क्षमता है। कुल मिलाकर, जम्मू-कश्मीर के लोग उत्सुकता से उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार अपना वादा पूरा करेगी, जिससे बिजली की बढ़ती दरों के कारण उन्हें होने वाले वित्तीय तनाव को कम करने में मदद मिलेगी। हालांकि सीएम लोगों की उम्मीदों को फिर से जगा रहे हैं, लेकिन जब तक उनके शब्द कार्रवाई में नहीं बदल जाते, तब तक लोगों के पास उंगलियों को क्रॉस करके और अच्छे के लिए प्रार्थना करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

# ग्राहक सशक्तिकरण ही 'ग्राहक संप्रभुता' का मार्ग

**पश्चिमी दुनिया में ग्राहकों की प्रकृति, व्यवहार और विशेषताओं के कारण बाजार मंदी से उबर जाते हैं, लेकिन इसकी कीमत ग्राहकों को चुकानी पड़ती है, जो लगातार कर्ज के बोझ तले दबते जाते हैं। इसके विपरीत हमारे देश में ग्राहक, भारतीय ग्राहक आंदोलनों और सांस्कृतिक प्रवृत्तियों से प्रभावित होकर अपनी आवश्यकताओं को सीमित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सरकार विभिन्न वित्तीय संस्थानों के माध्यमों से ग्राहकों को अपनी जरूरत बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आसान पूंजी और ऋण उपलब्ध कराने के बाद भी स्थानीय ग्राहक अपनी जरूरतें बढ़ाने में बहुत कम रुचि दिखाते हैं, क्योंकि वे अपने कर्ज का बोझ नहीं बढ़ाना चाहते।**

**दिनकर जी सबनीस**

भारतीय चिंतन के दृष्टिकोण से अर्थव्यवस्था के केंद्र बिंदु ग्राहक संप्रभुता पर विचार करने से पहले ग्राहक शब्द का अर्थ समझना आवश्यक है। क्योंकि वैश्विक ग्राहक आंदोलन ग्राहक को बाजार में की जाने वाली खरीद-बिक्री की गतिविधियों तक ही सीमित रखता है। जबकि ग्राहक शब्द अंग्रेजी में उपभोक्ता या कस्टमर का पर्याय नहीं है। इसे हिंदी शब्द उपभोक्ता का पर्याय भी नहीं माना जा सकता। उपभोक्ता शब्द उपभोग की अवधारणा से लिया गया है, जबकि ग्राहक शब्द प्राप्त करने या स्वीकार करने की क्रिया से उत्पन्न हुआ है। दोनों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। उपभोग असीमित है और आवश्यकता के बजाय क्षमता को संतुष्ट करता है, जबकि प्राप्ति आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित है। आवश्यकता पूरी होने पर संतुष्टि प्राप्त होती है।

ग्राहक शब्द सुनकर वास्तव में विचार यह होना चाहिए कि ग्राहक ही अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। ग्राहक केवल वस्तुओं और सेवाओं के खरीदार नहीं हैं। ग्राहक आर्थिक ढांचे का केंद्रीय तत्व हैं। ग्राहक की मांग ही उत्पादन प्रक्रिया की शुरुआत करती है, और यही मांग अर्थव्यवस्था की गति को बनाए रखती है। ग्राहक की प्राथमिकताएं और शक्ति अर्थव्यवस्था को दिशा देती हैं। अगर ग्राहक उत्पादों या सेवाओं के प्रति उत्साह नहीं दिखाते हैं तो उद्योग और व्यवसाय मंदी का अनुभव कर सकते हैं, जिससे अंततः उत्पादन में कमी और अर्थव्यवस्था में संभावित ठहराव आ सकता है। इसका मतलब है कि आर्थिक समृद्धि के लिए ग्राहक का आत्मविश्वास और क्रय शक्ति आवश्यक है।

आर्थिक परिदृश्य में विभिन्न बाजार विकल्पों की उपलब्धता बढ़ रही है, परन्तु ग्राहक को प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। उनकी जरूरतें और प्राथमिकताएं अद्वितीय हैं। इसलिए, सरकार और विभिन्न व्यवसाय अपने ग्राहक अनुभव और संतुष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतियां तैयार करते हैं। इस संदर्भ में ग्राहक की संप्रभुता का उल्लेख भी महत्वपूर्ण है। ग्राहकों के पास अब ज्ञान और विकल्प दोनों हैं और वे इनका उपयोग संतोषजनक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए करते हैं। उनके लिए अपने अधिकारों और विकल्पों के बारे में जागरूक होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे न केवल उनकी संप्रभुता मजबूत होती है, बल्कि अर्थव्यवस्था भी सशक्त होती है।

अंततः हम कह सकते है, ग्राहक अर्थव्यवस्था के विकास और सुधार के लिए जरूरी कुंजी हैं।

उनकी संतुष्टि और भरोसा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। किसी भी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ग्राहक की सक्रिय भागीदारी एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन, वर्तमान में वैश्विक आर्थिक गतिविधियां ग्राहक की अनदेखी करते हुए संचालित की जा रही हैं। पारदर्शिता का पूर्ण अभाव है। यही कारण है कि दुनिया की अधिकांश अर्थव्यवस्था इस समय संकट में हैं। सरकार, उत्पादक, कॉरपोरेट और व्यापारी ग्राहकों को अंधेरे में रखकर न केवल उनका शोषण कर रहे हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था के पोषक तत्वों को भी नष्ट कर रहे हैं। वे भूल जाते हैं कि जैसे ही ग्राहक का बाजार से भरोसा डगमगाता है, वैसे ही मंदी की काली छाया बाजार को अपनी चपेट में लेने लगती है। ऐसी स्थिति में अर्थव्यवस्था के सभी घटक प्रभावित होने लगते हैं और वे ग्राहकों को बाजार की ओर आकर्षित करने के लिए अप्राकृतिक तरीकों का सहारा लेते हैं।

पश्चिमी दुनिया में ग्राहकों की प्रकृति, व्यवहार और विशेषताओं के कारण बाजार मंदी से उबर जाते हैं, लेकिन इसकी कीमत ग्राहकों को चुकानी पड़ती है, जो लगातार कर्ज के बोझ तले दबते जाते हैं। इसके विपरीत हमारे देश में ग्राहक, भारतीय ग्राहक आंदोलनों और सांस्कृतिक प्रवृत्तियों से प्रभावित होकर अपनी आवश्यकताओं को सीमित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सरकार विभिन्न वित्तीय संस्थानों के माध्यमों से ग्राहकों को अपनी जरूरत बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आसान पूंजी और ऋण उपलब्ध कराने के बाद भी स्थानीय ग्राहक अपनी जरूरतें बढ़ाने में बहुत कम रुचि दिखाते हैं, क्योंकि वे अपने कर्ज का बोझ नहीं बढ़ाना चाहते। भारतीय बाजार में ग्राहक मांग बढ़ाने के कृत्रिम तरीकों से दूर रहते हैं। हालांकि, यह स्पष्ट है कि बाजार की समृद्धि पूरी तरह से ग्राहक के व्यवहार और आवश्यकताओं पर निर्भर करती है।

इसके बावजूद वर्तमान में सरकार, उत्पादक और व्यापारी ग्राहक की अनदेखी कर रहे हैं। हालांकि, ग्राहक आंदोलनों के प्रचार-प्रसार और ग्राहक कार्यकर्ताओं की सतर्कता के कारण, ग्राहक सहायता के नाम पर कुछ कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश कार्यक्रम ग्राहक की समस्या को हल करने के बजाय उसे और जटिल बनाते नजर आते हैं। वे ग्राहक की समस्याओं को सुनते नहीं हैं, बल्कि ग्राहक को अपनी समस्याओं को अपने तैयार किए गए ढांचे में बांधने के लिए मजबूर करते हैं, जिससे समस्या-समाधान की आड़ में उनका ध्यान भटक जाता है। इन कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य उत्पादकों के हितों की सेवा करना है, जिसके कारण अपनी समस्याओं का समाधान चाहने वाले अधिकांश ग्राहक निराशा में सिर पकड़कर बैठ जाते हैं।

उत्पादक वस्तुओं का निर्माण करते हैं और सेवा प्रदाता ग्राहक को सेवाएं प्रदान करते हैं। ग्राहक को इन वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता होती है। इसलिए दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। फिर इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव क्यों है? उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं के मुनाफे पर ग्राहकों को कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, इस मुनाफे की सीमा निर्धारित होनी चाहिए। आजकल ग्राहकों का शोषण करने के लिए नई-नई मार्केटिंग तकनीक अपनाई जा रही है। यह शोषण बंद होना चाहिए। ग्राहक आंदोलन वस्तुओं को सस्ता बनाने के बारे में नहीं है, यह उचित मूल्य पर उचित वस्तु की वकालत करता है। जब कोई ग्राहक किसी उत्पाद के लिए निर्माता द्वारा मांगी गई पूरी कीमत चुकाता है, तो उसे ऐसा उत्पाद मिलना चाहिए जो निर्माता द्वारा वादा किए गए गुणों को पूरा करता हो। वे उत्पाद की गुणवत्ता से समझौता क्यों करें? ग्राहक उत्पाद के लिए चुकाई गई कीमत का पूरा मूल्य चाहता है, थोड़ा भी कम नहीं। यही परिस्थितियां हैं जो बाजार में टकराव का माहौल बनाती हैं।नीतिगत विषय तो यह है कि ग्राहक आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बिंदु होने तथा आर्थिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण संप्रभुता होना चाहिए। ये गतिविधियां पर्दे के पीछे नहीं, बल्कि पारदर्शी तरीके से संचालित होनी चाहिए। इन आर्थिक गतिविधियों में ग्राहक को शामिल होना चाहिए। आर्थिक गतिविधियां त्रिकोणीय (सरकार, उत्पादक और व्यापारी) नहीं होनी चाहिए। वे चतुर्भुज (सरकार, उत्पादक, व्यापारी और ग्राहक) होनी चाहिए। अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से और स्थायी रूप से विकसित करने के लिए यह एक आवश्यक शर्त है। इसके अभाव में सरकार, उत्पादक और ग्राहक के बीच टकराव जारी रहेगा, जो देश और उसकी अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक नहीं है। यह अलग बात है कि आज ग्राहक आंदोलन इतना संगठित या मजबूत नहीं है कि वह सीधे आर्थिक गतिविधियों में हस्तक्षेप कर उन्हें पंगु बना सके। हालांकि, ग्राहकों को संगठित करने के लिए अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रयास सफल हो रहे हैं। वर्तमान समय की आवश्यकता है कि ग्राहकों को आर्थिक व्यवस्था के नीति निर्धारण में शामिल करना और उन्हें उनका उचित स्थान देना, प्राथमिकता होना चाहिए और आर्थिक ढांचे के सभी घटकों को साथ मिलकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

(लेखक, अखिल भारतीय संगठन ग्राहक पंचायत के केंद्रीय संगठन मंत्री हैं।)

# किसानों की बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

**रमेश सर्राफ धमोरा**

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वे कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोड़ने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हें 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे-से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था।

इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होंने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितों, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया।

1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानों में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानों की हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानों को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्वारा किसानों के हित में किये गये कायों को देखते हुये वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षों तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

# ज्ञानेंद्र कुमार : कला की त्रिवेणी

**राम प्रताप मिश्र साकेती**

मूर्त और अमूर्त चित्रण- दोनों विधाएं कला के क्षेत्र में विशेष महत्व रखते हैं। परंपरागत से आधुनिक कला तक में पारंगत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार ज्ञानेंद्र कुमार उत्तराखंड की पहचान हैं। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के मुख्य कलाधिकारी पद से सेवानिवृत्त ज्ञानेंद्र कुमार चित्रकला, मूर्तिकला और काव्य कला की त्रिवेणी के रूप में उत्तराखंड की कीर्ति विश्व भर में फैला रहे हैं।

ज्ञानेंद्र कुमार का जन्म 1 जून 1941 को हुआ था। ज्ञानेंद्र कुमार हिन्दी, अंग्रेजी और बांग्ला तीनों भाषाओं के अच्छे जानकार हैं और तीनों भाषाओं में साहित्य रचना का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही साथ कला को व्यावसायिक रूप से जन सामान्य में प्रस्तुत करना उनकी विशिष्टता है। 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में आयी बाढ़ तथा इस विविषिका पर बनी उनकी लंबी कलाकृति वर्षों तक चर्चा का विषय रही है। ज्ञानेंद्र कुमार ने एमए दर्शनशास्त्र करने के बाद विश्व भारतीय विश्वविद्यालय शांति निकेतन से ललितकला का डिप्लोमा प्राप्त कर अपनी कला साधना प्रारंभ की। वन अनुसंधान संस्थान के मुख्य कलाधिकारी रहते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ललित कला ग्रीष्म अकादमी, आस्ट्रिया में अमूर्त चित्रकला संगोष्ठी में भाग लिया। मूर्तिकला एवं चित्रकला की नई संभावनाओं पर अध्ययन हाईवैकम कॉलेज आफ आर्ट टैक्नोलॉजी इंग्लैण्ड से उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया। विश्वविख्यात वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में मुख्य चित्रकला अधिकारी (वर्ष 1965 से 2001 तक) रहते हुए उन्होंने संस्थान को कला के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां देने का काम किया और वैज्ञानिक वानिकी में कला का योगदान जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विशेष कार्य किया। उनके इन्हीं महत्वपूर्ण कृत्यों के कारण उन्हें उत्तरांचल कला परिषद उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया जहां उनका लक्ष्य है कि वह उत्तराखण्ड में आधुनिक कला प्रवृत्तियों से कला प्रेमियों को परिचित कराने के साथ साथ प्रदर्शिनियां के माध्यम से लोगों को जागृत कर रहे हैं।

ज्ञानेंद्र कुमार के चित्रों और मूर्तियों का मुख्य विषय नारी संसार रहा है। उनके कई चित्रों को विशेष सम्मान मिला है,जिसमें उलझन नामक चित्र में नारी को पीले और कत्थई रंग से घूमती हुई तूलिका से उकेरा गया है जो अपने आप में विशेष है। इसी तरह अमूर्त चित्रण में प्रकाश की ओर कृति में चित्रकार ने प्रकाशीय रंगों का अद्भुत प्रयोग किया है। चित्र दुआ में चित्रकार ने समुद्री नीले रंगों का सार्थक उपयोग किया है।

विश्वभारती शांति निकेतन से शिक्षा प्राप्त प्रख्यात चित्रकार, मूर्तिकार, संगीतकार एवं साहित्यकार, बहुमुखी प्रतिभा के धनी ज्ञानेंद्र कुमार अपनी कला के बल पर जिन विशिष्ट विभूतियों का आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं उनमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा, राजीव गांधी, उपराष्ट्रपति डॉ. बीडी जत्ती, डा. भगवत शरण उपाध्याय, डॉ. हरिवंशराय बच्चन, रानी एलिजाबेथ तथा जार्ज बुश शामिल हैं। देश-विदेश में अपनी कला प्रदर्शनियों तथा संगीत संध्या के माध्यम से ज्ञानेंद्र कुमार ने लोगों का दिल जीता है। जिन प्रमुख स्थलों पर ज्ञानेंद्र कुमार की कला प्रदर्शनियां आयोजित की गई हैं उनमें भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद नई दिल्ली का नाम प्रमुख है। यहां निर्भयाकांड के समय ज्ञानेंद्र कुमार की नारी सशक्तिकरण पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनी का सम्मान हुआ। संचार माध्यमों में इसका विशेष प्रसारण हुआ। ज्ञानेंद्र कुमार के कला जीवन पर आधारित साक्षात्कार दूरदर्शन और आकाशवाणी पर प्रसारित होते रहते हैं। उनके प्रभात गीत कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में गाए जाते हैं। ज्ञानेंद्र कुमार ने एक साक्षात्कार के दौरान बताया कि वे चित्रकला, मूर्तिकला और काव्य कला के माध्यम से समाज को प्रेरित करते हैं। जो बात सीधे नहीं कही जा सकती वह चित्रों और कला के माध्यम से आसानी से व्यक्त की जा सकती है। ज्ञानेंद्र कुमार मानते हैं कि समाज में लगातार परिवर्तन हो रहा है। यह विकास और परिवर्तन कई मायनों में अनूठा है लेकिन यह भी सच है कि आज लोगों को कला, साहित्य और मूर्तिकला क्षेत्र के बारे में न तो जानकारी प्राप्त करने का समय है और न ही लोग इस क्षेत्र में अभिरुचि रखते हैं जबकि कला संसार ही जीवन का यथार्थ स्वरूप है। कला के बिना यह संसार आधूरा है। उन्होंने कहा कि भारतीय कला में अभिव्यक्ति की प्रधानता होती है। भारतीय कलाकार वाह्य सौंदर्य की अपेक्षा आंतरिक भावों के अंकन में अपने मन को अधिक लगाते हैं। शांति निकेतन से निकले छात्र-छात्राओं ने कला के माध्यम से समाज को झंकृत करने का काम किया है। उन्होंने बताया कि समकालीन भारतीय कला का क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय और बहुत प्रयोगात्मक रहा है। इसमें अभी भी देश के लंबे और समृद्ध कलात्मक इतिहास के संदर्भ शामिल हैं।

## अंतरराष्ट्रीय शतरंज संस्था ने फीडे सर्किट 2025 नियमों में प्रस्तावित बदलावों की घोषणा की

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फीडे) ने घोषणा की कि वह फीडे सर्किट 2025 विनियमों में कई बदलावों की योजना बना रहा है।फीडे के अनुसार, ये परिवर्तन 2024 सर्किट से प्राप्त फीडबैक पर आधारित हैं, जिसका उद्देश्य सभी प्रतिभागियों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी माहौल बनाना है। फीडे की विज्ञप्ति में कहा गया है, ये परिवर्तन फीडे सर्किट अंक प्रदान करने के लिए अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी प्रणाली बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि खिलाड़ियों को उच्च-गुणवत्ता वाले टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के लिए उचित रूप से पुरस्कृत किया जाए। इस परिवर्तन का उद्देश्य अधिक खिलाड़ियों को अंक प्रदान करके लंबे टूर्नामेंटों के मूल्य को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करना है, तथा यह सुनिश्चित करना है कि बड़े टूर्नामेंटों को उचित पुरस्कार मिले।कम से कम 6 प्रतिभागियों और 2700 एलो अंकों की औसत रेटिंग वाले डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट भी सर्किट अंक के लिए पात्र होंगे। यह परिवर्तन प्रतिष्ठित सुपर टूर्नामेंटों के महत्व को स्वीकार करता है, जिनमें अक्सर शीर्ष स्तर के खिलाड़ी भाग लेते हैं और जो फीडे कैलेंडर में प्रमुख आयोजन होते हैं।एक दिन में दो राउंड वाले टूर्नामेंट में सर्किट अंकों की कुल संख्या कम होगी।विचार यह है कि छोटे टूर्नामेंट के लिए अंकों में कमी की जाए, जहाँ संकुचित कार्यक्रम लंबे आयोजनों के समान प्रयास को प्रदर्शित नहीं कर सकता है।

## डुप्लांटिस का रहा दबदबा, पेरिस ओलंपिक में अरशद ने नीरज को पछाड़ा, बने कई विश्व रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** वर्ष 2024 में एथलेटिक्स में राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर कई रिकॉर्ड बने। मोंडो डुप्लांटिस इस साल तीन बार पोल वॉल्ट में अपना विश्व रिकॉर्ड सुधारने के बाद लगातार सुर्खियों में रहे। भारतीय एथलेटिक्स के लिए, गुलवीर सिंह ने लंबी दूरी की दौड़ में कई रिकॉर्ड बनाए। भारत के दृष्टिकोण से इस साल का सबसे बड़ा इवेंट पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का फाइनल था, जिसमें पाकिस्तान के अरशद नदीम ने एक अविश्वसनीय क्लाइमेक्स में नीरज चोपड़ा को हराया। केन्याई धावक एग्नेस नेगेटिच ने वालेंसिया में 10 किलोमीटर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया, पिछले रिकॉर्ड से 28 सेकंड कम समय में, 29 मिनट से कम समय में दूरी पूरी करने वाली पहली महिला बन गईं। भारत की ज्योति याराजी ने एशियाई इनडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 60 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण जीतने के लिए राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने फाइनल में 8.12 सेकंड का समय लेकर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। फेमके बोल ने नीदरलैंड की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 मीटर इनडोर विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया, उन्होंने 49.24 सेकंड में दौड़ पूरी की, जो एक साल पहले उनके द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड से दो सौवां सेकंड कम है। ग्रीस के मिल्टियाडिस टेंटोग्लू ने ग्लासगो में अपना विश्व इनडोर लंबी कूद खिताब बरकरार रखा। टेंटोग्लू ने अपने पहले प्रयास में 8.22 मीटर की छलांग लगाई। राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता परवेज खान संयुक्त राज्य अमेरिका की एनसीएए चैंपियनशिप में ट्रैक स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बन गए।

## 16वीं जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे हरियाणा स्टीलर्स

**पुणे।** हरियाणा स्टीलर्स बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 128वें मैच में यू मुंबा को 47-30 से हराकर सेमीफाइनल मे पहुंच गई है। दूसरी ओर, प्लेआफ में सीधे प्रवेश के लिए मुंबा को इस मैच से एक अंक लेना था लेकिन इसके लिए उसे अब अगले मैच तक इंतजार करना होगा। पहले स्थान पर रहते हुए पहला सेमीफाइनल खेलने का हक हासिल करने वाली हरियाणा की जीत में शिवम पटारे (14) के अलावा डिफेंस में राहुल सेतपाल (5) और मोहम्मदरेजा शादलू (5) की अहम भूमिका रही। मुंबा के लिए सतीश ने रेड में नौ जबकि सुनील ने डिफेंस में चार अंक लिए। हरियाणा ने डिफेंस में 8 के मुकाबले 17 अंक की मदद से तीन आलआउट ले अपना वर्चस्व साबित किया। इस अहम मुकाबले में हरियाणा ने तीन मिनट के खेल में 4-2 की लीड बना ली थी और पांचवें मिनट में मुंबा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। शिवम की रेड पर परवेश सेल्फ आउट हुए लेकिन सुनील और लोकेश ने शादलू को सुपर टैकल कर स्कोर 5-6 कर दिया। इसके बाद हालांकि शिवम सुपर टैकल सिचुएशन में दो अंक लेकर लौटे। फिर संजय ने रोहित को लपक मुंबा को आलआउट कर 11-7 की लीड ले ली। 10 मिनट के बाद हरियाणा 12-9 से आगे थे। इसके बाद पांच मिनट के खेल में हरियाणा ने दो के मुकाबले तीन अंक लेकर अपनी लीड बरकरार रखी। फिर हरियाणा ने शिवम को मल्टीप्वाइंटर के साथ लगातार चार अंक लेकर मुंबा को आलआउट की ओर धकेल दिया।

## खो-खो विश्वकप में मुफ्त प्रवेश के साथ स्कूली बच्चों को मिलेगा चाय, नाश्ता

**नयी दिल्ली।** अगले माह 13 जनवरी से नयी दिल्ली और नोएडा में होने वाले खो खो विश्वकप में स्कूली बच्चों को स्टेडियम में मुफ्त प्रवेश के साथ चाय, नाश्ता भी मिलेगा। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और विश्वकप आयोजन समिति के चेयरमैन सुधांशु मित्तल ने बताया कि खेल प्रेमियों और खिलाडियों के लिए खो खो वर्ल्ड कप 2025 के दौरान महिला और पुरुष वर्ग दोनों मैचों में दर्शकों का प्रवेश मुफ्त होगा। उन्होंने बताया कि मैचों के दौरान स्कूली बच्चों को चाय, बिस्किट, स्नैक्स आदि भी वितरित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि यह मेगा प्रतियोगिता 13 जनवरी को शुरू होगी और उद्घाटन का पहला मैच इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जायेगा। खो खो गेम के प्रति युवाओं की रूचि बढ़ाने के लिए खो खो फेडरेशन ने डी ए वी स्कूलों और बाल भारती स्कूलों प्रबंधकों के साथ अनुबंध किया है।

# भारतीय महिला अंडर-19 टीम ने बंगलादेश को 41 रनों से हराया

एजेंसी

**क्रालालंपुर।** जी तृषा (52) की अर्धशतकीय पारी के बाद आयुशी शुक्ला (तीन विकेट), पारुनिका सिसोदिया और सोनम यादव (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने अंडर -19 एशिया कप ने बंगलादेश को 41 रनों से हरा दिया है।भारत के 117 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की महिला टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और 24 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। मोसम्मत एवा (शून्य) और सुमैया अख्तर (आठ) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगलादेश के बल्लेबाज पस्त दिखे। फहमिदा छोया (18) और जुयैरिया फिरदौस (22) के अलावा बंगलादेश का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। भारतीय गेंदबाजों ने बंगलादेश की पूरी टीम को 18.3 ओवर में 76 रन पर ढ़ेरकर मुकाबला 41 रनों से जीत लिया। भारत की ओर

से आयुशी शुक्ला ने तीन विकेट लिये। पारुनिका सिसोदिया और सोनम यादव को दो-दो विकेट मिले। वीजे जोशिता ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां बंगलादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे 66 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। जी कमालिनी (5), सनिका चलके (शून्य) को फरजाना यासमीन ने आउट किया। 12वें ओवर में कप्तान निकी प्रसाद (12) को हबीबा इस्लाम ने बोल्ड आउट किया। मिथिला विनोद ने 12 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (17) रन बनाये। जी तृषा ने 47 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (52) रनों की पारी खेली। आयुशी शुक्ला (10) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 117 रनों का स्कोर खड़ा किया। बंगलादेश की ओर से फरजाना यासमीन ने चार विकेट लिये। निशिता ए निशी को दो विकेट मिले। हबीबा इस्लाम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

## पुंछ ने ब्रिगेडियर उस्मान एसपीपीआर अंतर जिला तहसील क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 में चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती

एजेंसी

**नौशेरा।** व्हाइट नाइट कोर के तत्वावधान में आयोजित ब्रिगेडियर उस्मान एसपीपीआर अंतर जिला तहसील क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 का समापन ब्रिगेडियर उस्मान क्रिकेट स्टेडियम नौशेरा में भव्य समापन समारोह के साथ हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रूप में ऐस ऑफ स्पेड डिवीजन के जीओसी ने की जिसमें कमांडर टिथवाल ब्रिगेड, कमांडर नौशेरा ब्रिगेड, डीसी राजौरी और अन्य प्रमुख स्थानीय नेताओं सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। इस समारोह में खेल भावना और एकता को बढ़ावा देने में टूर्नामेंट की सफलता का जश्न मनाया गया और साथ ही क्षेत्र की अपार क्रिकेट प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया गया।सुंदरबनी और पुंछ के बीच रोमांचक फाइनल कौशल और दृढ़ संकल्प का नजारा था। पुंछ ने चैंपियनशिप ट्रॉफी और 4 लाख का नकद पुरस्कार जीतकर जीत हासिल की। उपविजेता सुंदरबनी को 2 लाख का पुरस्कार दिया गया। सुंदरबनी के महबूब शेख को उनके बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

## चैंपियंस ट्रॉफी और भारत दौरे के लिए जो रूट की इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम में वापसी

एजेंसी

**लंदन।** चैंपियंस ट्रॉफी और भारत दौरे पर खेली जानी वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की टीम में जो रूट की वापसी हुई है। जो रूट यह साल शानदार रहा है। उन्होंने इस वर्ष टेस्ट में 55.57 की शानदार औसत और छह शतकों के साथ 1556 रन बनाए हैं। रूट की इंग्लैंड की सफेद गेंद टीम एक साल बाद वापसी हुई है।

इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मक्कलम की लाल और सफेद गेंद में ही एकजुटता बनाए रखने की कड़ी के तहत चयनकर्ताओं ने 15 सदस्यीय टीम को चुना गया है। टीम में आठ खिलाड़ी ऐसे हैं जो इस साल टेस्ट में भी थे। टीम में पांच तेज गेंदबाजों को मौका मिला है।इनमें चोट से उबरे जोफ्रा आर्चर शामिल हैं।आदिल रशीद प्रमुख स्पिनर के तौर पर टीम बरकरार हैं और उनके बैकअप के तौर पर रूट, लियम लिविंगस्टन और युवा ऑलराउंडर जेकब बैथल शामिल हैं।

इंग्लैंड की टीम 17 जनवरी को भारत दौरे के लिए रवाना होगी। भारत के खिलाफ नागपुर में छह फरवरी को

पहला एकदिवसीय मैच खेला जायेगा। भारत दौरे पर एकदिवसीय सीरीज से पहले इंग्लैंड को पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। टी-20 सीरीज का पहला मैच 22 जनवरी से कोलकाता में होगा।

**चैंपियंस ट्रॉफी और भारत दौरे पर इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम इस प्रकार है:-**

जॉस बटलर, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथल, हैरी ब्रूक, ब्रेडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवरटर, जेमी स्मिथ, लियम लिविंगस्टन, आदिल रशीद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट और मार्क वुड।

भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की टी-20 टीम इस प्रकार है:- जॉस बटलर, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथल, हैरी ब्रूक, ब्रेडन कार्स, बेन डकेट, जेसी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियम लिविंगस्टन, आदिल रशीद, साकिब महमूद, फिल साल्ट और मार्क वुड।

# रोहित और आकश अभ्यास सत्र में हुए चोटिल

एजेंसी

**मेलबर्न।** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज आकाश दीप को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में अभ्यास करते हुए चोट लग गई। यह घटना उस समय हुई जब रोहित स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान पुल शॉट खेलने के प्रयास में अपने बाएं घुटने पर चोट लगा बैठे। टीम के फिजियो ने तुरंत कप्तान का इलाज किया और सूजन को कम करने के लिए उनके बाएं घुटने पर बर्फ लगाई। वही तेज गेंदबाज आकाश दीप को बल्लेबाजी के दौरान हाथ में चोट लग गई है।

बाद में हुए संवाददाता सम्मेलन में आकाश दीप ने कहा, जब आप क्रिकेट खेलते हैं तो ऐसी चोटें तो लगती रहती हैं। मुझे लगता है यह अभ्यास विकेट सफेद गेंद के लिए थी, यही वजह थी कि कई बार गेंद नीचे रह रही थी। लेकिन ये सब अभ्यास सत्र में सामान्य बात है, किसी भी तरह की कोई गंभीर समस्या नहीं है। उन्होंने कहा, जिस

समय हम बल्लेबाजी के लिए आते हैं, उस समय 20-30 रन बनाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। मेरी मानसिकता यह है कि मैं किसी भी तरह से टीम के लिए योगदान दे सकूं। उस दिन मैंने फॉलोऑन बचाने के बारे में नहीं सोचा था, मैं बस आउट नहीं होना चाहता था और जब आप उस स्थिति से अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो इससे आत्मविश्वास मिलता है और मैं फिर बहुत खुश था।

## भारतीय महिला टीम ने वनडे में दर्ज की दूसरी सबसे बड़ी जीत, वेस्टइंडीज को 211 रन से हराया

एजेंसी

**वडोदरा।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वडोदरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में 211 रनों की जीत के साथ रनों के लिहाज से अपनी दूसरी सबसे बड़ी वनडे जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही भारत ने तीन मैचों की एकदिनी श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। भारत को महिला वनडे में सबसे बड़ी जीत 2017 में मिली थी, जब उसने न्यूजीलैंड को 249 रनों से हराया था। बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 314 रन बनाए, जो घरेलू मैदान पर उसका दूसरा सबसे

बड़ा वनडे स्कोर है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मेजबान टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए, उन्होंने 102 गेंदों में 91 रनों की पारी खेली। मंधाना के अलावा हरलीन देओल ने 44, प्रतिका रावल ने 40, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 34 और जेमिमा रौड्रिग्ज ने 31 रन बनाए।भारत की ओर से मिले 315 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। वेस्टइंडीज की टीम 26.2 ओवर में ही 103 रन पर ढेर हो गई। कैरेबियाई टीम सबसे ज्यादा एफी फ्लेचर ने नाबाद 24 रन बनाए। फ्लेचर के अलावा शेमाइन कैम्पबेल ने 21 रन का योगदान दिया। भारत के लिए रेणुका ठाकुर ने सर्वाधिक पांच विकेट लिए। रेणुका के अलावा तितास साधु और दीप्ति शर्मा को एक-एक सफलता मिली।। जबकि प्रिया मिश्रा के खाते में दो विकेट रहा।

## कोनेग्लियानो ने जीता एफआईवीबी वॉलीबॉल महिला क्लब विश्व चैम्पियनशिप का खिताब

एजेंसी

**हांग्जो।** चीन की तियानजिन बोहाई बैंक टीम 2024 एफआईवीबी वॉलीबॉल महिला क्लब विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में इटली की कोनेग्लियानो से 3-0 से हार गई। टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम कोनेग्लियानो ने ग्रुप स्टेज और सेमीफाइनल में बिना कोई सेट गंवाए अपने सभी मैच जीतकर अपनी श्रेष्ठ शक्ति का प्रदर्शन किया। पहले सेट के मध्य में तियानजिन ने बढ़त बनाई, लेकिन अपनी बढ़त का फायदा उठाने में विफल रही और अंततः 25-21 से सेट हार गई। दूसरे सेट में तियानजिन को कोनेग्लियानो की शक्तिशाली जंप सर्विस को प्राप्त करने में संघर्ष करना पड़ा और जल्दी ही 25-15 पर पिछड़ गई। कोनेग्लियानो ने तीसरे सेट में श्रेष्ठता बनाए रखी और 25-20 से जीत के साथ समग्र जीत सुनिश्चित की। तियानजिन की मिडिल ब्लॉकर वांग युआनयुआन ने सिन्हुआ से कहा, पिछले साल हम स्टैंड में थे और इस साल फाइनल स्टेज में चीनी क्लबों का

प्रतिनिधित्व करना बहुत रोमांचक है और हमने वास्तव में खेल का आनंद लिया। कोनेग्लियानो वर्तमान में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। हम अपने प्रतिद्वंद्वी के दबाव में थे और हमारी टीम की अनुकूलन क्षमता में अभी भी सुधार की आवश्यकता है।

## ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने जीता अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट

एजेंसी

**मुरादाबाद।** मुरादाबाद रेल मंडल के रेलवे स्टेडियम मुरादाबाद में आयोजित हो रहे अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट में ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने 117 रन से फाइनल मैच जीतकर टूर्नामेंट अपने नाम किया। रेलवे स्टेडियम में इंजीनियरिंग एवं ऑपरेटिंग की टीम के मध्य फाइनल मैच खेला गया था। उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मण्डल वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि 15 दिसम्बर को मंडल के रेलवे स्टेडियम में अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ हुआ था। आज इंजीनियरिंग एवं ऑपरेटिंग विभाग की टीम के मध्य फाइनल मैच खेला गया। इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया तथा वेटिंग के लिए ऑपरेटिंग विभाग की टीम को पहले आमंत्रित किया। ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 02 विकेट के नुकसान पर 268 रन बनाए।

ऑपरेटिंग की टीम से अजय सिंह ने 32 बॉल में 6 चौक्कों तथा एक छक्के की सहायता से 51 रन, सूफियान खान ने 33 गेंदों में 07 चौक्कों एवं 03 छक्कों की सहायता से 60 रन बनाकर आउट हुए जबकि महेश मीना एवं निजाम अली नॉट आउट रहे। महेश मीना ने 29 गेंदों में 03 चौक्कों एवं 10 छक्कों की सहायता से 83 रन एवं निजाम अली ने 27 बॉल में 5 चौक्कों एवं 02 छक्कों की सहायता से 49 रन बनाकर नॉट आउट रहे एवं दोनों ने अपनी टीम की पारी को 268 रन पर दो विकेट के नुकसान पर समाप्त किया।इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने लक्ष्य का पीछा करने के लिए बेटिंग करते हुए पूरे 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन ही बना सकी। ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने आज इस टूर्नामेंट के फाइनल मैच में 117 रन से जीत हासिल की। ऑपरेटिंग विभाग की टीम के सूफियान खान को मैन ऑफ द मैच एवं बेस्ट बॉलर तथा ऑपरेटिंग विभाग की टीम के ही महेश मीना को बेस्ट बैट्समैन के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक राज कुमार सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक ओपी राकेश सिंह, वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक आशीष सिंह, वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक अभियंता सी एंड डब्लू रॉबिन बंसल, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक फ्रेट ऋचा शर्मा तथा मंडल के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## ब्राजील के फोंसेका ने जीता नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब

एजेंसी

**जेद्दाह।** ब्राजील के जोआओ फोंसेका ने जेद्दाह में नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब जीत लिया है। 18 वर्षीय फोंसेका ने 20 वर्ष से कम आयु के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए सीजन के अंतिम इवेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में चैंपियनशिप मैच में अमेरिकी लर्नर टिएन को 2-4, 4-3 (8), 4-0, 4-2 से हराया, और इवेंट के इतिहास में दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता बन गए। इस सप्ताह पांच मैचों में अपराजित रहते हुए, फोंसेका ने टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 526,480 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार जीता। फोंसेका ने कहा, मैं शुरुआत में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर रहा था, मैं बहुत घबराया हुआ था। लेकिन दूसरे सेट के बाद, मुझे लगता है कि तीसरा सेट भी एक और जोआओ जैसा था। मैं शॉट्स के लिए बहुत अधिक आक्रामक था और वह थोड़ा और कड़ा हो गया। चौथे सेट में मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जीत हासिल की।

## राज्य क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप : फिरोजाबाद के मोनू और कौशाम्बी की सुनीता ने जीता स्वर्ण

एजेंसी

**लखनऊ।** लामार्टिनियर कॉलेज के ग्राउंड पर 59वीं उत्तर प्रदेश राज्य क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने जमकर पसीने बहाये। इसमें आयोजित पुरुष व महिला 10 किमी.रेस में क्रमशः यूपी पुलिस के पंकज कुमार व ममता पाल ने सबको पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। अंडर - 20 बालिका वर्ग में कौशाम्बी की सुनीता ने स्वर्ण जीता। पुरुष वर्ग बालक अंडर-20 (8 किमी.) में फिरोजाबाद के मोनू कुमार ने 25:07.00 के समय के साथ स्वर्ण, बुलंदशहर के जैनू कुमार ने 25:10.00 के समय के साथ रजत व वाराणसी के आकाश पटेल ने 25:18.00 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। बालक अंडर-18 (6 किमी.) में मथुरा के भीखू ने 18:59.00 के समय के साथ स्वर्ण, गाजीपुर के अभिषेक कुमार ने 19:09.00 के समय के साथ रजत व आगरा के धीरज कुमार ने 19:28.00 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित स्पर्धाओं में पुरुष 10 किमी. में पंकज कुमार ने 31:13.00 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। । वाराणसी के रिंकू सिंह 31:14.00 के समय के साथ दूसरे व आगरा के मनीष राजपूत 31:25.00 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिला 10 किमी. में यूपी पुलिस की ममता पाल 35:28.00 के समय के साथ पहले, वाराणसी की रीमा पटेल 35:56.00 के समय के साथ दूसरे व यूपी पुलिस की नीतू कुमारी 36:11.00 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रही। बालक अंडर-16 (2 किमी.) में प्रयागराज के छोटकू सेन ने 6:04.00 के समय के साथ स्वर्ण, चंदौली के दीपक पटेल ने 6:05.00 के समय के साथ रजत व बुलंदशहर के सुनील कुमार ने 6:06.00 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। बालिका अंडर-20 (6 किमी.) में कौशांबी की सुनीता देवी ने 22:50.00 के समय के साथ स्वर्ण, लखनऊ की प्रतीक्षा यादव ने 23:44.00 के समय के साथ रजत व चंदौली की प्रतिमा वर्मा ने 24:09.00 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। बालिका अंडर-18 (4 किमी.) में अलीगढ़ की अंशू ने 14:54.00 के समय के साथ स्वर्ण, प्रतापगढ़ की शिवानी साहू ने 15:06.00 के समय के साथ रजत व लखनऊ की प्रतिज्ञा पन्ना ने 15:25.00 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। बालिका अंडर-16 (2 किमी.) में कुशीनगर की सरिता कुमारी ने 7:24.00 के समय के साथ स्वर्ण, हापुड़ की वंशिका ने 7:48.00 के समय के साथ रजत व लखनऊ की रचना मौर्या ने 7:49.00 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

# श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित, बेवॉन जैकब्स करेंगे पदार्पण

एजेंसी

**वेलिंगटन।** न्यूजीलैंड ने 28 दिसंबर से घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही आगामी व्हाइट बॉल सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में ऑकलैंड एसेस के युवा आक्रामक खिलाड़ी बेवॉन जैकब्स को शामिल किया गया है। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस द्वारा खरीदे गए जैकब्स ने सोमवार (23 दिसंबर) को श्रीलंका के खिलाफ अभ्यास मैच में न्यूजीलैंड एकादश के लिए 16 गेंदों पर 39 रन बनाए।रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल और मैट हेनरी की तिकड़ी पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए श्रीलंका की यात्रा से चूकने के बाद टी20आई और वनडे दोनों के लिए वापस आ गई है। यह सीरीज - जिसमें तीन टी20आई और तीन वनडे शामिल हैं - न्यूजीलैंड के पूर्णकालिक व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में मिशेल सेंटनर की पहली सीरीज होगी। जनवरी 2025 में होने वाली वनडे सीरीज चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम चुनने से पहले टीम की आखिरी सीरीज होगी। जैकब्स ने पिछले साल न्यूजीलैंड के घरेलू टी20 टूर्नामेंट सुपर स्मैश में सबका ध्यान खींचा था, जहां उन्होंने कैंटरबरी किंग्स के लिए फिनिशर के रूप में 188.73 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए (6 पारियों में 134)। न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा, बेवॉन और उनके परिवार के लिए यह निश्चित रूप से एक रोमांचक समय है। वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और हम उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने के लिए उत्सुक हैं। उसके पास स्पष्ट रूप से बल्ले से बहुत ताकत है, लेकिन उसने लंबे प्रारूपों में भी दिखाया है कि उसके पास एक अच्छी तकनीक और स्वभाव है। इस साल की शुरुआत में घर से बाहर सफ़ेद गेंद से डेब्यू करने वाले जैक फ़ॉल्केस, मिच हे और टिम रॉबिन्सन की तिकड़ी को पहली बार घरेलू सीरीज़ में खेलने का मौका मिलेगा। पिछले महीने श्रीलंका के यादगार, रिकॉर्ड तोड़ने वाले दौरे के बाद हे को वनडे और टी20 दोनों टीमों में जगह मिली है। दांबुला में पहले टी20 में, हे ने एक पारी में सबसे ज़्यादा शिकार करने का रिकॉर्ड बनाया (पांच कैच और एक स्टंपिंग)। उन्होंने पल्लेकेले में दूसरे वनडे में भी 49 रन बनाए। हे टी20आई में कीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वनडे में उन्हें मौजूदा टॉम लैथम के बल्लेबाजी और कीपिंग कवर के तौर पर चुना गया है, जो 50 ओवर के मैचों के लिए टीम में शामिल होंगे। लैथम के अलावा विल ओ%रूर्के और विल यंग भी वनडे के लिए आएंगे, जो जैकब्स, फाउलकेस और रॉबिन्सन की जगह लेंगे - जिन्हें केवल टी20आई के लिए चुना गया है।

ओ'रूर्के को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के उद्देश्य से टी20 के लिए आराम दिया गया है क्योंकि इस तेज गेंदबाज ने हाल ही में श्रीलंका, इंग्लैंड और भारत के खिलाफ सीरीज में आठ टेस्ट मैच खेले हैं। पूर्व कीपर-बल्लेबाज ल्यूक रोंची इस घरेलू असाइनमेंट के लिए मुख्य कोच होंगे, जबकि गैरी स्टीड लंबे समय तक काम करने के बाद ब्रेक लेंगे।

न्यूजीलैंड टीमः मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउलकेस (केवल टी20आई), मिच हे, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स (केवल टी20आई), टॉम लैथम (केवल वनडे), डेरिल मिशेल, विल ओ%रुरके (केवल वनडे), ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन (केवल टी20आई), नाथन स्मिथ, विल यंग (केवल वनडे)।

## चना कांटा - तुअर में गिरावट, दालों में मिश्रित रंगत

**इंदौर।** स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में सप्ताहांत चना कांटा तुअर में कामकाज नरमी लिए रहा। हालांकि मूंग, उड़द के भाव बने रहे। दालों के दामों में घट-बढ़ हुई। चावल में खरीदी सुधार से तेजी रही।सप्ताहांत चना कांटा 6850 से 6900 रुपये खुलने के बाद 6700 से 6750 रुपये होकर थमा। मूंग 7800 से 8300 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7200 रुपये बिकी। सप्ताहांत भाव 7800 से 8300 रुपये बोले गए। कारोबार में तुअर 7000 से 9000 रुपये खुलकर 7000 से 8100 रुपये बिकी। उड़द 8300 से 8800 पर बनी रही। मसूर 5950 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर खुलने के बाद 6000 से 6050 रुपये प्रति क्विंटल होकर थमी।दालों में भाव मांग से ऊपर नीचे हुए। सप्ताहांत चना दाल के साथ तुअर कभी ऊंची तो कभी नीची बिकी। रवा, मैदा, गेहूं का आटा में लिवाली रही। चना बेसन में लग्न सरा लिवाली रही।

## केंद्र ई-कॉमर्स कंपनियों के डार्क पैटर्न से निपटने के लिए नया ऐप करेगा लॉन्च

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर 24 दिसंबर, सार्वजनिक उपयोग के लिए 'जागो ग्राहक जागो ऐप', 'जागृति ऐप' और 'जागृति डैशबोर्ड' को लॉन्च करेगी। ये ऐप्स उपभोक्ताओं को डार्क पैटर्न से बचाने के लिए स्वप्रेरणा से कार्रवाई करने में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की क्षमता को बहुत हद तक बढ़ा देगा। इससे उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के बारे में भी शिक्षित किया जाएगा। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 24 दिसंबर 2024 को उपभोक्ता मामले का विभाग सार्वजनिक उपयोग के लिए 'जागो ग्राहक जागो ऐप', 'जागृति ऐप' और 'जागृति डैशबोर्ड' का शुभारंभ। इन ऐप को लॉन्च करने का मकसद उपभोक्ताओं को डार्क पैटर्न्स से बचाया जा सके। ये ऐप्स सीसीपीए की क्षमता को काफी बढ़ाएंगे, ताकि वे डार्क पैटर्न्स के खिलाफ स्वत: संज्ञान ले सकें। इन पहलों के जरिए एक पारदर्शी और निष्पक्ष डिजिटल बाज़ार बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जहां उपभोक्ता बिना किसी धोखे या दबाव के सूचित निर्णय ले सकें। मंत्रालय ने कहा कि 'जागो ग्राहक जागो ऐप' उपभोक्ता की ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सभी यूआरएल के बारे में आवश्यक ई-कॉमर्स जानकारी प्रदान करता है, उन्हें सचेत करता है कि कोई यूआरएल असुरक्षित हो सकता है।

## नये साल में विदेशी पर्यटकों को रिझाने के लिए तैयार आतिथ्य क्षेत्र

**नई दिल्ली।** भारतीय आतिथ्य उद्योग विदेशी पर्यटकों के लिए लाल कालीन बिछाने के साथ 2025 के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। अनुमान है कि विदेशी पर्यटकों की संख्या नये साल में कोविड-19 महामारी से पहले के स्तर को पार कर जाएगी, और देश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान जारी रखेगी। यह क्षेत्र 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था में 1,000 अरब डॉलर का योगदान करने के लिए तैयार है। क्षेत्र को हालांकि सरकार से एकीकृत लाइसेंसिंग, कार्यबल का कौशल विकास और लक्षित बुनियादी ढांचा निवेश जैसे नीतिगत हस्तक्षेप की उम्मीद भी है। भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने के क्रम में पैदा होने वाली मांग को पूरा करने के लिए यह जरूरी है। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) के अध्यक्ष के बी काचरू ने कहा, भारत का लक्ष्य 2047 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है और आतिथ्य क्षेत्र इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अर्थव्यवस्था पर इस क्षेत्र का विनिर्माण और कृषि से कहीं अधिक गुणक प्रभाव है। उन्होंने आतिथ्य उद्योग के भविष्य को आशाजनक बताते हुए कहा कि होटल के कमरे अधिक भरे रहने और प्रति कमरा अधिक आय की उम्मीद है।

## चेन्नई की कंपनी ने कर्मचारियों को टाटा की कार, रॉयल एनफील्ड की बाइक उपहार में दीं

**चेन्नई।** चेन्नई स्थित सरमाउंट लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों को कंपनी के प्रति उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को देखते हुए उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए कार और मोटरसाइकिल उपहार में दी हैं। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी के 20 कर्मचारियों को 'उच्च लक्ष्य प्राप्त करने' के लिए प्रेरित करने को उन्हें टाटा की कार, एक्टिवा स्कूटी और रॉयल एनफील्ड बाइक उपहार में दी गई। चेन्नई मुख्यालय वाली सरमाउंट लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड माल ढुलाई में देरी, पारदर्शिता की कमी और अकुशल आपूर्ति श्रृंखला समाधान जैसी लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की आम चुनौतियों का समाधान करती है। कंपनी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक (एमडी) डेन्ज़िल रायन ने बयान में कहा, हमारा मिशन सभी आकार के व्यवसायों के लिए लॉजिस्टिक्स को सरल बनाना है। हम पारंपरिक माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स प्रक्रियाओं की कठिनाइयों को समझते हैं। हमारा लक्ष्य ऐसे समाधान प्रदान करना है जो न केवल कुशल हों, बल्कि पर्यावरण के प्रति भी सचेत हों।

# मक्का से चमकेगी किसानों की किस्मत

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दुनिया भर में खानपान में बदलाव को देखते हुए अब सिर्फ गेहूं, धान और गन्ना की फसल उगाने से किसानों का भला नहीं होने वाला नहीं है। खेती में विविधता और खाद्य प्रसंस्करण पर जोने देने से ही किसानों की माली हालत सुधर सकती है। मक्का और गन्ना से अब इथोनॉल के साथ-साथ कई बायो प्रोडक्ट्स तैयार हो रहे हैं। इससे किसानों को भी फायदा होगा। इंडो एग्री फ्यूचर फूड समिट में विशेषज्ञों ने यह निष्कर्ष निकाला है। यह समिट मोटा अनाज, मक्का, डीडीजीएस और इथेनॉल यानी एमएमडीई पर केंद्रित रही। डीडीजीएस का मतलब है डिस्टिलर ड्राइड ग्रेन्स विद सॉल्यूबल्स जो इथेनॉल उत्पादन प्रक्रिया का एक बायो प्रोडक्ट है। इस प्रोडक्ट का उपयोग पशुओं के चारे के रूप में किया जाता है। समिट में विशेषज्ञों ने चिंता जताई

कि जिस तरह से आबादी बढ़ रही है और खेती का रकबा घट रहा है, इससे भविष्य में भोजन के लिए अनाज की मांग की पूर्ति करना बड़ी चुनौती साबित होगी। इसलिए किसानों को खेती में विविधता लाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

समिट के पहले सत्र में मक्का के आउटलुक पर विचार-विमर्श हुआ। जिस तरह सरसों और सोयाबीन में से तेल निकालने बाद खली बचती है उसी मक्का से इथेनॉल बनाने के बाद कई तरह के बायो प्रोडक्ट बनते हैं जिनकी बाजार में तेजी से मांग बढ़ रही है। इस समिट में कमोडिटीज, फूड प्रोसेसिंग, वेयरहाउस और एग्रीकल्चर से जुड़े दुनियाभर के एक्सपर्ट्स शामिल हुए। इनमें एनएफसीएसएफ के एमडी प्रकाश नाइकनावरे, रेणुका शुगर के ईडी रवि गुप्ता, एमईआईआर कमोडिटीज के एमडी राहिल शेख, ग्रीन लीफ के फाउंडर हर्ष सोनी, डीसीएम श्रीराम के रोशन टामक, डालमिया भारत के कपिल नेमा, इकोनॉमिस्ट चंद्रशेखर और विजय सरदाना आदि शामिल हुए।

विशेषज्ञों ने कहा कि मक्का अब सिर्फ भोजन का ही विकल्प नहीं रह गई है। कुछ साल पहले तक इस अनाज को कोई पूछता तक नहीं था लेकिन अब इकोनॉमी में इसे लोग पूज रहे हैं। मक्का से अब इथेनॉल बनाने के बाद कई तरह बायो प्रोडक्ट बन रहे हैं। किसानों की माली हालात सुधारने में यह फसल क्रांतिकारी विकल्प साबित हो रही है। मक्का अन्य फसलों की तुलना में सबसे कम समय मे पकने वाली फसल है। अब इस फसल के दाम भी अच्छे मिल रहे हैं। ऐसे किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए मक्का की फसल को तरजीह देनी चाहिए। केंद्र सरकार ने 2024 तक पेट्रोल में 15 फीसद इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

# पाम तेल, सोयाबीन रिफाइंड सस्ता

**एजेंसी**

**इंदौर।** सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव नरमी लिए रहे। सप्ताहांत पाम तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली बताई गई।कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1460 से 1470 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो 1460 से 1470 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1235 से 1240 रुपये पर खुलकर 1200 से 1205 रुपये बिका। पाम तेल 1385 से 1390 रुपये खुलकर 1370 से 1375 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से भाव लगभग बने रहे। सरसों, सोयाबीन में रिफाइनरी वालों की खरीदी रही। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली सुस्ती से नरमी दर्ज की गई।

# सर्राफा बाजार में लौटी तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज सोना 600 रुपये से 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,600 रुपये से लेकर 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,150 रुपये से लेकर 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हुआ है। कीमत में आई इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा

है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# नीता अंबानी हावर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में करेंगी भारत की वैश्विक शक्ति पर विचार साझा

**एजेंसी**

**बोस्टन।** रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी 15-16 फरवरी, 2025 को बोस्टन में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित हावर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस (इंडिया कांफ्रेंस ऐट हार्वर्ड - आईसीएच) में भारत की वैश्विक शक्ति और क्षमता पर अपने विचार साझा करेंगी। आईसीएच की ओर से इस सम्बन्ध में घोषणा की गई। इस साल की थीम 'फ्रॉम इंडिया टू द वर्ल्ड' रखी गई है। नीता अंबानी ने अपने सामाजिक कार्यों के माध्यम से 8 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। उनकी ताजा उपलब्धियों में चार दशकों बाद भारत में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र की मेजबानी और 2036 ओलंपिक के लिए भारत की दावेदारी को मजबूत करना शामिल है। उनकी यह उपलब्धियां भारत के वैश्विक प्रभाव और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक हैं।आयोजकों ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में 80 से अधिक वक्ता शामिल होंगे। नीता अंबानी के साथ एक फायरसाइड चैट में भारत की वैश्विक भूमिका और दृष्टिकोण पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा,

जलवायु परिवर्तन और वित्तीय समावेशन पर पॉलिसी हैकाथॉन और भारतीय उद्यमियों के लिए स्टार्टअप पिच प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।अन्य प्रमुख वक्ताओं में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के संस्थापक डीन प्रमथ राज सिन्हा, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सीईओ अनीश चौहान, फैशन डिज़ाइनर सब्यसाची मुखर्जी, और अंजलि बंसल शामिल हैं। कॉन्फ्रेंस के सह-अध्यक्ष आयुष शुक्ला ने कहा, यह मंच भारत की तकनीकी प्रगति, सांस्कृतिक विविधता, और सामुदायिक दृष्टिकोण को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। हावर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस अमेरिका में भारत पर केंद्रित सबसे प्रभावशाली छात्र-संचालित सम्मेलनों में से एक है।

## विदेशी मुद्रा भंडार 1.99 अरब डॉलर घटकर 652.9 अरब डॉलर पर

**एजेंसी**

**मुंबई।** विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में आई गिरावट से 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.99 अरब डॉलर घटकर 652.9 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.24 अरब डॉलर लुढ़ककर 654.9 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.1 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 562.6 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.12 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 68.1 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 3.5 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 2.7 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.2 अरब डॉलर पर आ गई।

# एफपीआई फिर दिखे बिकवाल की भूमिका में, पिछले सप्ताह स्टॉक मार्केट से 976 करोड़ रुपये निकाले

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** 16 से 20 दिसंबर तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) एक बार फिर सेलर (बिकवाल) की भूमिका में नजर आए। इसके पहले लगातार दो सप्ताह तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बायर (लिवाल) बने हुए थे। इस सप्ताह एफपीआई ने बिकवाली करके भारतीय शेयर बाजार से 976 करोड़ रुपये की निकासी की। माना जा रहा है कि डॉलर इंडेक्स की मजबूती और अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड यील्ड की तेजी के कारण विदेशी निवेशको ने दुनिया के दूसरे स्टॉक मार्केट्स की तरह ही भारतीय स्टॉक मार्केट से भी पैसों की निकासी की है।नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस सप्ताह की शुरुआत लिवाल के रूप में ही की थी। सप्ताह के पहले दो दिन

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 3,126 करोड़ रुपये की खरीदारी की, लेकिन तीसरे दिन से उनके रुख में बदलाव आ गया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सप्ताह के अगले तीन दिन के दौरान 4,102 करोड़ रुपये की बिकवाली कर दी। लिवाली और बिकवाली को मिला कर 16 से 20 दिसंबर तक के कारोबारिक सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों ने कुल 976 करोड़ रुपये की निकासी कर ली।

हालांकि, दिसंबर महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का ओवरऑल रुख पॉजिटिव बना हुआ है। दिसंबर के पहले और दूसरे कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशक लगातार खरीदारी करते रहे थे। इस खरीदारी के कारण इस महीने अभी तक लिवाली और बिकवाली मिला कर एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में 21,789 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले नवंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 21,612 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इसी तरह अक्टूबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 94,017 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड निकासी की थी। भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में किसी एक महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पहली बार 94 हजार करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। अक्टूबर के पहले सितंबर के महीने तक एफपीआई लिवाल की भूमिका में कारोबार कर रह थे। खासकर, सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जमकर खरीदारी की थी।

सितंबर के महीने में विदेशी निवेशकों के निवेश का आंकड़ा 9 महीने के सर्वोच्च स्तर 57,724 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक साल 2024 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने लिवाली और बिकवाली को मिलाकर भारतीय शेयर बाजार में ओवरऑल 6,770 करोड़ रुपये का निवेश कर रखा है।

# अगले सप्ताह 3 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 8 कंपनियों के शेयर की होगी लिस्टिंग

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** कल से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में 3 नए आईपीओ की लॉन्चिंग होने वाली है। इनमें से एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि 2 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन 3 आईपीओ में बोली लगाने के साथ ही निवेशक पिछले सप्ताह 19 और 20 दिसंबर को खुले 9 कंपनियों के आईपीओ में भी 23 और 24 दिसंबर तक आवेदन कर सकेंगे। इस सप्ताह आठ कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग भी होने वाली है। साफ है कि साल के आखिरी पूर्ण सप्ताह में भी प्राइमरी मार्केट में काफी हलचल बनी रहने वाली है। यूनिमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का 500 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू कल सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस इश्यू में 26 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 745 से

785 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 19 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग साल 2024 के आखिरी दिन 31 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसी तरह सप्ताह के दूसरे दिन 24 दिसंबर को सोलर 91 क्लीन टेक लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। 106 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 27 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 185 से 195 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर साल 2025 के पहले दिन यानी 1 जनवरी को होगी। इस सप्ताह का तीसरा आईपीओ 26 दिसंबर को ओपन होने वाला है। आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड का 44.80 करोड़ रुपये का ये पब्लिक इश्यू 30 दिसंबर को क्लोज होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 13 से 14 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि निवेशक 10 हजार शेयर के लॉट में बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 2 जनवरी 2025 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी इसके अलावा पिछले सप्ताह 19 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले ममता मशीनरी, ट्रांस रेल लाइटिंग, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स, कॉन्कॉर्ड एनवायरो लिमिटेड, न्यू मलयालम स्टील और सनातन टेक्सटाइल के आईपीओ में निवेशक कल यानी 23 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। इसके अलावा 20 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए वेन्टिव हॉस्पिटेलिटी, सिनोरेस फार्मास्यूटिकल्स और कैरेरो इंडिया लिमिटेड के आईपीओ में मंगलवार 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी कल से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान आठ कंपनियों के शेयरों की स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग भी होने वाली है।

# एपिगैमिया के सह संस्थापक रोहन मीरचंदानी का निधन; 42 साल की उम्र में हार्ट अटैक से हुई मौत

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** देश के प्रमुख यौगर्ट ब्रांड एपिगैमिया के सह संस्थापक रोहन मीरचंदानी का हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया। वे 42 वर्ष के थे। उनकी मौत के बारे में एपिगैमिया की पैरेंट कंपनी ड्रम्स फूड इंटरनेशनल ने जानकारी दी है।बता दें कि इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने भी निवेश कर रखा है।

ड्रम्स फूड इंटरनेशनल ने अपने बयान में कहा कि एपिगैमिया परिवार में हम सभी इस क्षति पर गहरा शोक मनाएंगे। रोहन हमारे गुरु, मित्र और लीडर थे। हम उनके सपने को ताकत और जोश के साथ आगे बढ़ाने के अपने दृढ़ संकल्प पर कायम हैं। रोहन के विचार और मूल्य हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। ड्रम्स फूड ने आधिकारिक बयान में यह भी कहा कि हम उनके द्वारा रखी गई नींव का सम्मान करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करते

हैं कि उनका सपना फलता-फूलता रहे। जारी आधिकारिक बयान में यह भी बताया गया है कि एपिगैमिया का संचालन अब कंपनी के सीओओ और संस्थापक सदस्य अंकुर गोयल और सह-संस्थापक और निदेशक उदय ठक्कर द्वारा निदेशक मंडल के पूर्ण समर्थन के साथ प्रबंधित किया जाएगा, इस निदेशक मंडल में रोहन का परिवार, राज मीरचंदानी और प्रमुख निवेशक, वर्लिनवेस्ट और डीएसजी कंज्यूमर पार्टनर्स शामिल हैं। अंकुर गोयल और उदय ठक्कर ने भी बयान में कहा है कि रोहन हमारे गुरु, मित्र और लीडर थे। हम उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें कि रोहन मीरचंदानी एनएसयू स्टर्न एंड वार्टन स्कूल से स्नातक थे। उन्होंने साल 2013 में ड्रम्स फूड इंटरनेशनल की नींव रखी थी। ड्रम्स फूड इंटरनेशनल योगर्ट ब्रांड एपिगैमिया की पैरेंट कंपनी है। ड्रम्स फूड इंटरनेशनल के उत्पाद इस समय 30 शहरों में 20,000 से अधिक खुदरा दुकानों पर उपलब्ध है।

## आरबीआई ने 2024 में रेपो दर को रखा यथावत, 2025 में नए मुखिया के रुख पर सभी की निगाहें

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पूर्व गवर्नर शक्तिकान्त दास के नेतृत्व में 2024 में ब्याज दरों में कटौती के दबाव को नजरअंदाज किया और अपना मुख्य ध्यान महंगाई पर केंद्रित रखा। हालांकि, अब नए मुखिया की अगुवाई में केंद्रीय बैंक को जल्द यह फैसला लेना होगा कि क्या वह आर्थिक वृद्धि की कीमत पर मुद्रास्फीति को तरजीह देना जारी रख सकता है। नौकरशाह दास ने 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नोटबंदी के फैसले के बाद पूरे मामले की देखरेख की थी। उन्होंने एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने छह साल तक मौद्रिक नीति को कुशलतापूर्वक संचालित किया। 2024 के अंत में दास का दूसरा कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को नया गवर्नर नियुक्त किया है। दास को कोविड-19 महामारी के समय से भारत के पुनरुद्धार को आगे बढ़ाने का श्रेय जाता है।इस साल के अंत में एक अन्य नौकरशाह संजय मल्होत्रा को दास का उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया। मल्होत्रा को दास का दूसरा तीन वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने से मात्र 24 घंटे पहले ही नियुक्त किया गया।दास के नेतृत्व में आरबीआई ने लगभग दो साल तक प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रखा।

# टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप में 4.95 लाख करोड़ की गिरावट

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 4,95,061 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप की ये स्थिति तब हुई, जब पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 4,091.53 अंक यानी 4.98 प्रतिशत और एनएसई का निफ्टी 1,180.80 अंक यानी 4.76 प्रतिशत टूट गया।

सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,10,550.66 करोड़ रुपये घट कर 15,08,036.97 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 91,140.53 करोड़ रुपये घट कर 16,32,004.17 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। वहीं एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 76,448.71 करोड़ रुपये कम होकर 13,54,709.35 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 59,055.42 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 8,98,786.98 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। जबकि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 43,909.13 करोड़ रुपये घट कर 7,25,125.38 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इन 5 कंपनियों के अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 41,857.33 करोड़ रुपये कम होकर 9,07,449.04 करोड़ रुपये के स्तर पर गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के दौरान 32,300.20 करोड़ रुपये गिर कर 7,98,086.90 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 20,050.25 करोड़ रुपये कम होकर 5,69,819.04 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 12,805.27 करोड़ रुपये घट कर 5,48,617.81 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 6,943.50 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,81,252.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,32,004.17 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 15,08,036.97 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 13,54,709.35 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,07,449.04 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 8,98,786.98 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 7,98,086.90 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,25,125.38 करोड़ रुपये), आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,81,252.32 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (कुल मार्केट कैप 5,69,819.04 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,48,617.81 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

## क्रिसमस बाजार हमले में घायल लोगों में 7 भारतीय भी, नागरिकों के संपर्क में दूतावास

एजेंसी

**बर्लिन।** जर्मनी के एक शहर मैगडेबर्ग में बेकाबू कार के हमले में घायल हुए लोगों में सात भारतीय नागरिक भी हैं। भारतीय नागरिकों को गंभीर चोटें नहीं आई हैं और प्राथमिक इलाज के बाद इन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। भारतीय दूतावास ने कहा है कि वो घायल हुए सभी लोगों के संपर्क में है। भारत ने जर्मनी के मैगडेबर्ग में हुई इस हमले की निंदा की है। भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम जर्मनी के मैगडेबर्ग में क्रिसमस बाजार में हुए भयानक और संवेदनहीन हमले की निंदा करते हैं। कई बहुमूल्य जानें चली गईं और कई घायल हो गए। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के साथ हैं। बयान में कहा गया है कि उनका मिशन घायल भारतीयों और उनके परिवारों के संपर्क में है और हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है। बतादें कि जर्मनी की राजधानी बर्लिन से 150 किमी दूर एक शहर मैगडेबर्ग में शुक्रवार शाम क्रिसमस बाजार में एक बेकाबू कार ने लोगों को रौंदा था। इस घटना में दो लोगों की मौत हुई थी और 60 से ज्यादा घायल हुए थे। इस घटना के आरोपित सउदी अरब के निवासी तालेब ए. पेशे से एक डॉक्टर है और पिछले 18 साल से जर्मनी में रह रहा है। पुलिस आरोपित को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

## विदेश सचिव ने मॉरीशस की समृद्धि के लिए भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की

**पोर्ट लुईस।** विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मॉरीशस के नए प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम को उनकी चुनावी जीत पर बधाई थी और मॉरीशस की प्रगति और समृद्धि के लिए भारत की प्रतिबद्धता के बारे में अवगत कराया है। मिस्री ने मॉरीशस की तीन दिवसीय यात्रा की, जो द्वीपीय राष्ट्र में नई सरकार के गठन के बाद नई दिल्ली और पोर्ट लुईस (मॉरीशस की राजधानी) के बीच पहली उच्चस्तरीय वार्ता थी। विदेश सचिव ने राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, प्रधानमंत्री रामगुलाम, उप प्रधानमंत्री पॉल बेरेंजर, विदेश मंत्री धनंजय रामफुल और मॉरीशस के कई नेताओं तथा अधिकारियों से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मॉरीशस के प्रधानमंत्री के साथ अपनी बैठक में मिस्री ने उन्हें चुनाव में जीत के लिए बधाई दी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें दोबारा भारत आने का निमंत्रण दिया। रामगुलाम के चार-दलीय गठबंधन ने पिछले महीने उस देश में हुए चुनावों में भारी जीत दर्ज की थी। विदेश मंत्रालय ने मिस्री की द्वीपीय देश की यात्रा के समापन पर कहा, ''दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की तथा विदेश सचिव ने दोनों देशों के बीच विशेष एवं घनिष्ठ साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मार्गदर्शन मांगा।'

## स्विट्जरलैंड यूक्रेन पर दूसरा सम्मेलन आयोजित करने की योजना नहीं बना रहा: विदेश मंत्री

**कीव।** स्विट्जरलैंड यूक्रेन पर दूसरा सम्मेलन आयोजित नहीं करने जा रहा है। स्विस विदेश मंत्रालय ने कहा कि बर्न फिलहाल युद्धविराम वार्ता की तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। स्विस विदेश मंत्री इग्नाज़ियो कैसिस ने 16 दिसंबर को कहा कि स्विट्जरलैंड यूक्रेन पर दूसरा सम्मेलन आयोजित करने और इस प्रक्रिया में रूस को शामिल करने के लिए यूरोपीय संघ, अमेरिका, रूस और जी7 के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है।मंत्रालय ने रूसी अखबार 'इज़वेस्टिया' को बताया, स्विट्जरलैंड सभी इच्छुक पार्टियों के साथ संपर्क बनाए हुए है। स्विट्जरलैंड फिलहाल दूसरा शांति सम्मेलन आयोजित करने की योजना नहीं बना रहा है। मुख्य ध्यान अब युद्धविराम वार्ता की तैयारी पर है, जिसमें अमेरिकी चुनाव एक प्रमुख कारक है। इसके जवाब में बर्न में रूसी दूतावास ने प्रकाशन को बताया कि मॉस्को यूक्रेनी मुद्दों सहित स्विस दूतिनिधियों के साथ रचनात्मक और सार्थक बातचीत के लिए खुला है । रूसी राजनयिकों के अनुसार इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और कैसिस के बीच हालिया संपर्क है, जो 18 दिसंबर को हुआ।

## इनकार के बावजूद यूरोप यूक्रेन में संघर्ष हार गया: हंगरी के प्रधानमंत्री

**कीव।** हंगरी के प्रधान मंत्री विक्टर ओर्बन ने कहा कि इस वास्तविकता को नकारने के प्रयासों के बावजूद यूरोपीय संघ यूक्रेन में संघर्ष हार गया है। श्री ओर्बन ने 'एम वन' ब्रॉडकास्टर को बताया, एक नई वास्तविकता है, आंशिक रूप से सामने - हर कोई इसके बारे में सुन सकता है, यह छिपा नहीं है। रूस आगे बढ़ रहा है। धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है, यह आगे बढ़ रहा है यूरोपीय संघ यह युद्ध हार गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि विभिन्न संचार युक्तियों का उपयोग करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

# भारत-कुवैत के बीच रक्षा व खेल के क्षेत्रों में व्यापक सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर

एजेंसी

**कुवैत सिटी।** भारत एवं कुवैत ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी के स्तर पर बढ़ाने के फैसले के साथ ही रक्षा, संस्कृति व खेल के क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के समझौतों पर हस्ताक्षर किये तथा कुवैत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठजोड़ (आईएसए) में शामिल होने का फैसला किया।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कुवैत के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री शेख सबा अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबा के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद इन चार दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक में दोनों पक्षों ने सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद की निंदा की।विदेश मंत्रालय के अनुसार रक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर भारत और कुवैत के बीच समझौता ज्ञापन रक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को संस्थागत रूप देगा। सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में प्रशिक्षण, कर्मियों और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान, संयुक्त अभ्यास, रक्षा उद्योग में सहयोग, रक्षा उपकरणों की आपूर्ति और अनुसंधान और विकास में सहयोग शामिल हैं।

बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में भी कहा गया कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि रक्षा भारत और कुवैत के बीच रणनीतिक साझीदारी का एक महत्वपूर्ण घटक है। दोनों पक्षों ने रक्षा के क्षेत्र में समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने का स्वागत किया जो संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण, तटीय रक्षा, समुद्री सुरक्षा, संयुक्त विकास और रक्षा उपकरण उत्पादन सहित द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए आवश्यक ढांचा प्रदान करेगा।दूसरे समझौते के तहत वर्ष 2025-2029 के लिए भारत और कुवैत के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सीईपी) कला, संगीत, नृत्य, साहित्य और रंगमंच में अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग, संस्कृति के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास और त्योहारों के आयोजन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

तीसरा समझौता खेल के क्षेत्र में सहयोग के लिए कार्यकारी कार्यक्रम (ईपी) वर्ष (2025-2028) के दौरान अनुभव साझा करने, खेल के क्षेत्र में कार्यक्रमों और परियोजनाओं में भागीदारी, खेल चिकित्सा, खेल प्रबंधन, खेल में विशेषज्ञता के आदान-प्रदान के लिए खेल मीडिया, खेल विज्ञान, अन्य क्षेत्र की हस्तियों की यात्राओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करेगा। चौथे दस्तावेज में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) में कुवैत की सदस्यता की पुष्टि की गई है जो आईएसए की सामूहिक रूप से सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ा कर सदस्य देशों को कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में चुनौतियों के समाधान में मददगार सिद्ध होगी।

## नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने की संसद सदस्यता स्वत: निलंबित

एजेंसी

**काठमांडू।** नेपाल के उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की संसद सदस्यता निलंबित कर दी गई है। उनके खिलाफ सहकारी ठगी से लेकर संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में अदालत में आरोप पत्र स्वीकार किए जाने के साथ ही संसद सदस्यता स्वतः निलंबित हो गई है।संघीय संसद सचिवालय के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि अदालत में आरोप पत्र दायर होने के साथ ही सांसद की सदस्यता निलंबित होने का प्रावधान है। संपत्ति शुद्धिकरण अधिनियम की धारा 27 के अनुसार किसी भी सांसद के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दायर होने के साथ ही संसद सदस्यता स्वतः ही निलंबित हो जाती है। उन्होंने बताया कि सरकारी वकील की तरफ से इस बात की लिखित जानकारी आने के साथ ही सूचना प्रकाशित कर दी जाएगी। पोखरा जिला अदालत में लामिछाने पर सहकारी धोखाधड़ी, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में रवि लामिछाने के खिलाफ दायर आरोप पत्र दाखिल किया गया था, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है। लामिछाने की संसद सदस्यता उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज होने के कारण गई है।

## नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने और उनकी पत्नी की संपत्ति होगी जब्त, सीआईबी ने अदालत में दी अर्जी

एजेंसी

**काठमांडू।** सहकारी बैंक घोटाला, ठगी, जालसाजी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने और उनकी पत्नी निकिता पौडेल की संपत्ति जब्त करने के लिए अदालत में अर्जी दी गई है। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) ने दलील दी है कि रवि लामिछाने सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ करीब 150 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है, इसलिए सभी आरोपितों और उनके परिवार वालों की संपत्ति जब्त की जाए। पोखरा जिला अदालत में पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ आरोप पत्र दायर करते हुए सीआईबी ने रवि और उनकी पत्नी निकिता की संपत्ति जब्त करने की अर्जी दी है। पुलिस ने पहले ही रवि लामिछाने के सभी बैंक अकाउंट और उनकी चल-अचल

संपत्ति पर रोक लगाई हुई है। अदालत में लामिछाने की पत्नी के बैंक अकाउंट में अस्वाभाविक ट्रांजैक्शन देखे जाने के कारण उनके बैंक अकाउंट को फ्रीज करने और चल-अचल संपत्ति पर रोक लगाने की मांग की गई है।

## भारत व कुवैत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी के स्तर पर ले जाने पर सहमति

एजेंसी

**कुवैत सिटी।** भारत एवं कुवैत ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी के स्तर पर बढ़ाने के फैसले के साथ ही रक्षा, संस्कृति व खेल के क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के समझौतों पर हस्ताक्षर किये तथा कुवैत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठजोड़ (आईएसए) में शामिल होने का फैसला किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कुवैत के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री शेख सबा अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबा के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद इन चार दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक में दोनों पक्षों ने सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद की निंदा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार रक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर भारत और कुवैत के बीच समझौता ज्ञापन रक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को संस्थागत रूप देगा। सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में प्रशिक्षण, कर्मियों और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान, संयुक्त अभ्यास, रक्षा उद्योग में सहयोग, रक्षा उपकरणों की आपूर्ति और अनुसंधान और विकास में सहयोग शामिल हैं।

बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में भी कहा गया कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि रक्षा भारत और कुवैत के बीच रणनीतिक साझीदारी का एक महत्वपूर्ण घटक है। दोनों पक्षों ने रक्षा के क्षेत्र में समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने का स्वागत किया जो संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण, तटीय रक्षा, समुद्री सुरक्षा, संयुक्त विकास और रक्षा उपकरण उत्पादन सहित द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए आवश्यक ढांचा प्रदान करेगा।दूसरे समझौते के तहत वर्ष 2025-2029 के लिए भारत और कुवैत के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सीईपी) कला, संगीत, नृत्य, साहित्य और रंगमंच में अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग, संस्कृति के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास और त्योहारों के आयोजन की सुविधा प्रदान की जाएगी।तीसरा समझौता खेल के क्षेत्र में सहयोग के लिए कार्यकारी कार्यक्रम (ईपी) वर्ष (2025-2028) के दौरान अनुभव साझा करने, खेल के क्षेत्र में कार्यक्रमों और परियोजनाओं में भागीदारी, खेल चिकित्सा, खेल प्रबंधन, खेल में विशेषज्ञता के आदान-प्रदान के लिए खेल मीडिया, खेल विज्ञान, अन्य क्षेत्र की हस्तियों की यात्राओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करेगा। चौथे दस्तावेज में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) में कुवैत की सदस्यता की पुष्टि की गई है जो आईएसए की सामूहिक रूप से सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ा कर सदस्य देशों को कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में चुनौतियों के समाधान में मददगार सिद्ध होगी।

# बांग्लादेश के पूर्व अटॉर्नी जनरल आरिफ ढाका में सुपुर्द-ए-खाक

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश के पूर्व अटॉर्नी जनरल और अंतरिम सरकार के नागरिक उड्डयन और पर्यटन सलाहकार एएफ हसन आरिफ को आज सुबह 10:30 मीरपुर शहीद बुद्धिजीवियों के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उनका गत दिवस इंतकाल हो गया था। उनके सम्मान में आज बांग्लादेश में एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। समाचार पत्र के अनुसार, दिवंगत हसन आरिफ को उनके बेटे मुआज आरिफ और अन्य प्रमुख व्यक्तियों सहित परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में दफनाया गया। आरिफ ने 83 वर्ष की आयु में 20 दिसंबर को राजधानी ढाका के लैबैड अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील एएफ हसन आरिफ का जन्म 1941 में कोलकाता में हुआ था। उन्होंने अपनी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री और एलएलबी की

उपाधि प्राप्त की। 1967 में कलकत्ता हाई कोर्ट में एक वकील के रूप में नामांकन कराने के बाद वह पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) चले गए। उन्होंने 1970 में ढाका हाई कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की। हसन आरिफ सैन्य तानाशाह एचएम इरशाद के शासन के समय अप्रैल 1982 से अगस्त 1985 तक सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में और अगस्त 1985 से मार्च 1996 तक डिप्टी अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने अक्टूबर से बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के दौरान अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। जनवरी 2008 से जनवरी 2009 तक उन्होंने फखरुद्दीन अहमद के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार के कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य किया। पूर्व अटॉर्नी जनरल ने कई मामलों में मोहम्मद यूनुस का प्रतिनिधित्व किया।

## नेपाल-चीन के बीच प्रस्तावित रेलमार्ग पर हलचल तेज

एजेंसी

**काठमांडू।** नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव कार्यान्वयन समझौते पर हालिया हस्ताक्षर के बाद दोनों देशों के मध्य रेलमार्ग निर्माण पर हलचल तेज हो गई है। इस समझौते में चीन की सीमा करुंग से काठमांडू को जोड़ने के लिए रेलमार्ग निर्माण की परियोजना को शामिल किया गया है।दोनों देशों के विभिन्न मंत्रालयों से जुड़े उच्चस्तरीय कर्मचारियों की मौजूदगी में हुई चर्चा में रेलवे परियोजना की प्री-फिजिबिलिटी स्टडी के दौरान आने वाली समस्याओं और समाधानों की तलाश की गई। नेपाल परिवहन मंत्रालय के सचिव केशव कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम चीन के शंघाई पहुंची है। शर्मा के साथ इस टीम में परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव भीमार्जुन अधिकारी, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, कानून मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के संयुक्त सचिव शामिल हैं।शंघाई में शुक्रवार से शुरू हुई बैठक रविवार तक चली। चीन की टीम ने बताया कि काठमांडू-केरुंग रेलवे का निर्माण चुनौतीपूर्ण है। इस बैठक में काठमांडू करुंग रेलमार्ग के प्री फिजीबिलिटी अध्ययन में शामिल चीनी राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी चाइना रेलवे फर्स्ट सर्वे एंड डिज़ाइन इंस्टीट्यूट के तकनीशियनों ने भी

बैठक में हिस्सा लिया।बैठक में सहभागी परिवहन मंत्रालय के संयुक्त सचिव भीमार्जुन अधिकारी ने कहा कि इस पूरे रेलमार्ग पर 98 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ी होने के कारण निर्माण लागत काफी महंगी होने वाली है। बैठक में चीनी पक्ष ने बताया कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण करीब 95 फीसदी मार्ग में सिर्फ सुरंगों और पुलों का ही निर्माण होगा।अध्ययन के हिस्से के रूप में वर्तमान में काठमांडू, नुवाकोट और रसुवा में मिट्टी का परीक्षण किया जा रहा है। रेलवे लाइन के संभावित स्थान पर ड्रिलिंग कर भूमिगत मिट्टी निकालने का अध्ययन किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि व्यवहार्यता अध्ययन पूरा होने के बाद सभी विषय आ जाएंगे। ड्रिल करने में अभी और समय लगेगा।नेपाल ने चीनी अधिकारियों को सूचित कर दिया है कि अध्ययन के लिए आवश्यक प्रशासनिक सहायता प्रदान की जाएगी।

## ब्रिटेन में चल रहीं 85 शरिया अदालतें, धर्मनिरपेक्ष संगठनों ने जताई चिंता, कहा- देश में एक कानून होना चाहिए

एजेंसी

**लंदन।** ब्रिटेन में इस वक्त 85 शरिया अदालतें चल रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ब्रिटेन, पश्चिम की इस्लामिक राजधानी बनकर उभर रहा है। इन शरिया अदालतों का ब्रिटेन में रहने वाले मुस्लिम समुदाय पर खासा प्रभाव है। ये शरिया अदालतें शादी, तलाक और पारिवारिक मामलों पर अपने फैसले देती हैं। नेशनल सेक्युलर सोसाइटी ने न्याय व्यवस्था के समानांतर एक और धार्मिक न्याय व्यवस्था के खड़ा होने पर चिंता जताई है।

**1982 में ब्रिटेन में हुई थी शरिया अदालतों की शुरुआत**

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्रिटेन में पहली बार साल 1982 में शरिया अदालत की शुरुआत हुई थी और आज इनकी संख्या बढ़कर 85 हो गई है। गौरतलब है कि ब्रिटेन में निकाह मुताह या आनंद के लिए शादी

का चलन भी तेजी से बढ़ रहा है। निकाह मुताह के अंतर्गत तीन दिन से लेकर एक साल तक के लिए अस्थायी शादी चलती है। इसे घोर महिला विरोधी प्रथा माना जाता है।

शरिया अदालतों में इस्लामिक स्कॉलर्स का पैनल होता है, जिनमें अधिकतर पुरुष होते हैं। ये एक अनौपचारिक निकाय है, जो धार्मिक मामलों और निकाह, तलाक और खुला के मामलों में अपने फैसले देते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्रिटेन में एक लाख शादियां नागरिक अधिकारियों के पास पंजीकृत नहीं हैं। माना जाता है कि ये शादिया शरिया अदालतों में हुई हैं।

नेशनल सेक्युलर सोसाइटी नामक एक संगठन ने ब्रिटेन में सामान्य न्याय व्यवस्था के साथ ही एक गैर औपचारिक न्याय व्यवस्था के काम करने पर चिंता जाहिर की और कहा है कि इसका भविष्य में गंभीर असर पड़ेगा। सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी स्टीफन इवांस ने चेतावनी देते हुए कहा है कि शरिया अदालतें सभी के लिए एक कानून के सिद्धांत को कमजोर करती हैं और महिलाओं, बच्चों के अधिकारों पर विपरीत असर डालती हैं। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में हाल के वर्षों में तेजी से मुस्लिम जनसंख्या बढ़ी है।

## 10 यात्रियों को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी

**ब्रासीलिया।** दक्षिणी ब्राजील के पर्यटक शहर ग्रैमाडो में 10 यात्रियों को ले जा रहा एक छोटा विमान दुकानों से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नागरिक और रक्षा अधिकारियों ने सभी यात्रियों के मारे जाने की आशंका जताई है। घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है।

रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के सार्वजनिक सुरक्षा कार्यालय के अनुसार,विमान कथित तौर पर पहले एक इमारत की चिमनी से टकराया फिर एक घर की दूसरी मंजिल को तोड़ते हुए एक फर्नीचर की दुकान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद विमान का मलबा पास के एक सराय तक भी पहुंचा। इलाके के अधिकारियों ने बताया कि इस दुर्घटना में अब तक 15 लोगों को शहर के अस्पताल में ले जाया गया है। इनमें ज्यादातर लोग दुर्घटना के बाद लगी आग और उसके

धुएं में दम घुटने से पीड़ित थे। वहीं शहर के गवर्नर एदुआर्डो लेइट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दुर्भाग्य से, शुरुआती रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि विमान में सवार लोग जीवित नहीं बचे। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है।

## लाहौर में हाउसिंग कॉलोनी के सशस्त्र गार्ड ने पालतू शेर को मार डालो

एजेंसी

**लाहौर।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में एक प्राइवेट हाउसिंग सोसाइटी के सशस्त्र सुरक्षा गार्ड ने एक शेर को मार डाला। पुलिस और वन्यजीव अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह पालतू शेर सड़क पर कैसे पहुंचा।

पत्र की खबर के अनुसार, पुलिस ने बताया कि शालीमार हाउसिंग सोसाइटी हरबंसपुरा के निवासी अली इमरान ने इस शेर को पाला था। वह अचानक घर से निकलकर सड़क पर पहुंच गया। उसने दहाड़ लगाई तो लोग डरकर इधर-उधर भागने लगे। ग्रीनबेल्ट पर खेल रहे बच्चे भी चिल्लाने लगे। यह देखकर सोसाइटी के एक सशस्त्र सुरक्षा गार्ड ने दहाड़ते हुए शेर पर गोलियां दाग दीं। पालतू शेर मौके पर ढेर हो गया। उल्लेखनीय है कि लाहौर, कराची के बाद पाकिस्तान में दूसरा सबसे बडा आबादी वाला शहर है। इसे पाकिस्तान का दिल भी कहा जाता है।

## न्यूयॉर्क में युवक ने ट्रेन की बोगी में महिला को जिंदा जलाया; जब तक जान नहीं गई तब तक देखता रहा, गिरफ्तार

एजेंसी

**ढाका।** न्यूयॉर्क में एक युवक ने ट्रेन की बोगी महिला को जिंदा जला दिया। महिला जब तक मर नहीं गई, तब तक आरोपी उसे खड़ा देखता रहा। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की आयुक्त जेसिका टिश ने इसे सबसे घृणित अपराध माना। पुलिस ने बताया कि ब्रुकलिन के स्टिलवेल एवेन्यू में एफ ट्रेन में युवक और पीड़िता सवार हुए। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर रुकी तो युवक महिला के पास गया और लाइटर से उसके कपड़ों में आग लगा दी। इसके कुछ ही सेकेंड में महिला जलने लगी। जब तक वह मर नहीं गई आरोपी उसे खड़ा देखता रहा। स्टेशन की ऊपरी मंजिल पर गश्त कर रहे अधिकारियों ने धुआं उठता देखा तो वे मौके पर पहुंचे। यहां पर एक

युवक ट्रेन के डिब्बे में खड़ा था। वहीं महिला आग की लपटों में घिरी हुई थी। अधिकारियों ने तत्काल अग्निशमन यंत्र का उपयोग करके आग बुझाई। मगर तब तक महिला पूरी तरह से जल चुकी थी और उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक एक संदिग्ध घटनास्थल पर मिला। वह ट्रेन के बाहर प्लेटफार्म की एक बेंच पर बैठा था। इसके बाद पुलिस ने बॉडी वार्न कैमरों की मदद से संदिग्ध के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जब आरोपी की तस्वीरें वायरल हुईं तो तीन लोगों ने पुलिस को फोन करके बताया कि वे आरोपी को पहचानते हैं। इसके बाद पुलिस ने एक दूसरी ट्रेन से युवक को पकड़ा और उसकी जेब से लाइटर बरामद हुआ। मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने संदिग्ध के बारे में पुलिस को जानकारी देने वाले लोगों की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ऐसे घृणित व्यवहार का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है। हम हिंसक अपराधों के सभी पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मेरी प्रार्थना पीड़ित परिवार के साथ है।

## राणा द्वारा जल शक्ति विभाग की सर्दियों की तैयारियों की समीक्षा

**जम्मू 23 दिसंबर।** घाटी में ठंड के कारण जल संकट के बीच जल शक्ति विभाग के मंत्री जावेद अहमद राणा ने विभाग की एक विस्तृत बैठक ली ताकि लोगों को बिना किसी परेशानी के पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाया जा सके।

अनंतनाग (पश्चिम), देवसर, कोकरनाग और सोपोर निर्वाचन क्षेत्रों के विधायकों के अलावा बैठक में जल शक्ति विभाग के एसीएस, जेजेएम के एमडी, मुख्य अभियंता और विभाग के अन्य अभियंता शामिल हुए। वन और जनजातीय मामलों के विभागों के प्रभारी मंत्री ने इस अवसर पर विभाग पर जनता की शिकायतों का कम समय में समाधान करने के लिए एक मजबूत तंत्र बनाने पर जोर दिया। उन्होंने विभाग को आपूर्ति की कमी का सामना कर रहे क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पानी के टैंकरों की संख्या दोगुनी करने के लिए कदम उठाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने उनसे जिलावार आवश्यकताएं प्रस्तुत करने को कहा ताकि उनकी वास्तविकता का पता लगाने के बाद उन्हें अधिकृत किया जा सके। इस अवसर पर मंत्री ने अनंतनाग (पश्चिम), सोपोर, देवसर और कोकरनाग के विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर भी ध्यान दिया। उन्होंने कुछ जलापूर्ति योजनाओं के विस्तार या इन क्षेत्रों के लोगों को दैनिक जलापूर्ति में सुधार से संबंधित चिंताओं को उठाया। इन विधायकों ने जेजेएम के तहत कुछ जलापूर्ति योजनाओं को पूरा करने या अपने क्षेत्रों के लिए अमृत 2.0 के तहत कार्यों को शामिल करने से संबंधित मामले भी उठाए।

मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से इन मामलों की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा इनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके जवाब में जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा ने घाटी में वर्तमान जल आपूर्ति परिदृश्य का अवलोकन किया। उन्होंने स्रोतों से पानी की निकासी में भारी कमी के कारण उत्पन्न जल संकट से निपटने के लिए विभाग द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 2050 योजनाओं में से 40 योजनाएं हाल ही में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हुई बर्फबारी या स्रोतों के समाप्त होने के कारण प्रभावित हुई हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 26 प्रभावित योजनाओं को विभाग द्वारा बहाल कर दिया गया है तथा 14 अन्य योजनाओं को शीघ्र बहाल करने के लिए वर्तमान में देखरेख की जा रही है। विभाग द्वारा उठाए गए कदमों में बताया गया कि 78 सरकारी तथा 13 निजी जल टैंकरों को उन क्षेत्रों में पोर्टेबल जल पहुंचाने के लिए सेवा में लगाया गया है, जहां जल की कमी है। इसके अलावा, खुले पाइपों को जोड़ने और उनमें इन्सुलेशन लगाने, संभावित बिजली कटौती से निपटने के लिए 328 डीजी सेटों का प्रावधान करने, पत्थर के बांध बनाकर पानी की दिशा बदलने के अलावा जनता के लिए समयबद्ध तरीके से उनकी जल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए जिला और मंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने जैसे कदम उठाए जाने की बात कही गई।

## उपायुक्त ने जम्मू जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा की

**जम्मू 23 दिसंबर।** उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य ने जिले के विभिन्न ब्लॉकों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पहल की प्रगति का आकलन करने के लिए एक बैठक बुलाई। ब्लॉक विकास अधिकारियों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में अपशिष्ट पृथक्करण, डोर-टू-डोर संग्रहण और प्रसंस्करण के कार्यान्वयन पर अद्यतन जानकारी प्रदान की। उपायुक्त ने बीडीओ से प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रबंधन में प्रयासों में तेजी लाने, उचित पृथक्करण सुनिश्चित करने और घरेलू स्तर पर अपशिष्ट संग्रह तंत्र को मजबूत करने का आह्वान किया। सामुदायिक भागीदारी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, डीसी ने अनुचित कचरा निपटान को रोकने के लिए सार्वजनिक सतर्कता की आवश्यकता पर बल दिया। उप-विभागीय मजिस्ट्रेटों को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों को बढ़ाने और सुव्यवस्थित करने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर अपने संबंधित नगर पालिकाओं के कार्यकारी अधिकारियों के साथ समन्वय करने का भी निर्देश दिया गया।

बैठक में मुख्य योजना अधिकारी उत्तम सिंह, सहायक आयुक्त पंचायत शहजादा नूर उल ऐन के अलावा एसडीएम और बीडीओ भी उपस्थित थे।

## उपायुक्त ने डोडा में जिला नियंत्रण कक्ष के कामकाज की समीक्षा की

**डोडा 23 दिसंबर।** उपायुक्त डोडा, हरविंदर सिंह ने डीसी कार्यालय डोडा में नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान, उपायुक्त डोडा ने नियंत्रण कक्ष के कामकाज की गहन समीक्षा की और कर्मचारियों से बातचीत करके जनता की शिकायतों और आपात स्थितियों से निपटने में उनकी तैयारियों और दक्षता का आकलन किया।

कर्मचारियों से बातचीत करते हुए, उपायुक्त ने जनता के मुद्दों के समय पर समाधान और प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी दृष्टिकोण बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नियंत्रण कक्ष टीम के प्रयासों की सराहना की और उनकी परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

# रबी फसलों में जल प्रबन्धन उपयोग एवं महत्व

जल प्रबन्धन के लिए आवश्यक है की फसल को सही समय पर सही मात्रा में एवं सही तरिके से सिंचाई की जाएं। उचित समय पर आवश्यकतानुसार पानी नहीं देने पर एवं आवश्यकता से अधिक पानी देने पर भूमि की भौतिक दशा खराब हो जाती है तथा उत्पादन भी कम मिलता है। फसल में सिंचाई करते समय फसल अवस्था, भूमि में नमी मात्रा, भूमि से नमी के वाष्पीकरण की स्थिति एवं पौधों में जल की मात्रा को ध्यान में रखना चाहिए। फसल की बढ़वार के अनुसार जल की आवश्यकता बदलती रहती है। सिमित पानी उपलब्ध होने पर फसल की क्रांतिक अवस्थाओं पर सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई से दिया गया पानी पौधे के उत्तक निर्माण व वाष्पोसर्जन में काम आता है।जब तक पौधे को जल उपलब्ध होता हैं तब तक पौधों की बढ़वार होती रहती है अन्यथा वृद्धि रुक जाती है तथा अंत में पौधे मर जाते है।

**⏩ खेतों की गहरी जुताई करें**

जहाँ तक सम्भव हो सके गर्मियों में तवेदार हेरो या एम.बी. प्लाऊ से खेतों की गहरी जुताई अवश्य करे। यदि खरीफ में, रबी हेतु खेतों को पड़त रखा हो तो उचित नमी पर खेतों की जुताई करते रहें व प्रत्येक जुताई के बाद पाटा लगावे, जिससे खरपतवार नष्ट हो जाते हैं, रन्ध्राकांश बढ़ता हैं, मृदा की भौतिक दशा में सुधार होता हैं और प्रति इकाई मृदा आयतन में अधिक जल संरक्षित होता हैं इसके लाभदायक प्रभाव से रबी फसल के अंकुरण तथा पौधों की वृद्धि अच्छी होती हैं।

**⏩ कार्बनिक खादों का प्रयोग करें**

कार्बनिक खाद जैसे गोबर की खाद, कम्पोस व वर्मीकम्पोस्ट खाद का प्रयोग खरीफ फसलों से पहले करें। यदि रबी फसलों में इनका प्रयोग करना हो तो खेत की जुताई के समय, बुवाई के लगभग 20-25 दिन पूर्व प्रयोग करें व जुताई कर भूमि में अच्छी तरह मिला देवें। जैविक खादों के प्रयोग से मृदा की भौतिक, रासायनिक व जैविक दशा सुधरेगी जिससे भूमि, उपलब्ध जल की मात्रा को अधिक समय तक भंडारित कर सकती हैं।

**⏩ उपयुक्त सिंचाई विधि अपनाएं**

ज्यादातर कृषक फसलों में परम्परागत तरिके से खेतों में सीधे ही पानी देते हैं जिससे पानी का असमान वितरण होता हैं, साथ ही पानी की अधिक आवश्यकता होती हैं और सिंचाई में समय भी ज्यादा लगता हैं व कई बार लवणीयता की भी समस्या हो जाती हैं। सिंचाई विधियों का चयन मुख्यतया जल की उपलब्धता, मिट्टी के प्रकार, फसल आदि कारणों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

**पर्याप्त पानी की उपलब्धता की स्थिति में**

बॉर्डर या मेड, पट्टी, कुंड विधि से सिंचाई करें। नहरी तंत्र में 5-8 मीटर चौड़ी और ढलान के अनुसार लम्बाई की क्यारियां बनाकर सिंचाई करें तथा क्यारी 80% पानी से भर जाये तब हमे क्यारी में पानी को रोक देना चाहिए शेष 20त्न भाग स्वत: ही भर जायेगा। ऐसा करने से पानी की बचत भी होगी और क्यारी के अंत में ज्यादा पानी भरने की संभावना भी कम हो जायेगी।

इस प्रकार हम प्रत्येक क्यारी में 20त्न पानी बचाकर इस पानी को टेल तक पहुंचा सकते हैं अन्यथा यह पानी व्यर्थ ही बहकर या तो ड्रेन में चला जायेगा या क्यारी में ज्यादा पानी होने पर फसल पिली पड़ जायेगी। अक्सर देखा जाता हैं की नहरी तंत्र में टेल तक पानी पहुँचता ही नहीं या फिर बहुत कम पहुँचता हैं, जिससे किसान सही समय पर फसल को पानी नहीं दे पाता और उसको आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता हैं।

**⏩ अपर्याप्त पानी होने पर** फव्वारा, बूंद-बूंद सिंचाई काम में लेवे जिससे कम पानी से अधिकतम उत्पादन लिया जा सके।

**⏩ फसलों की जल उपयोगिता दक्षता बढ़ाना**

वर्तमान परिदृश्य में प्रति इकाई जल से अधिकाधिक उपज प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण पहलू हैं। फसलों की जल उपयोग(जल प्रबन्धन) दक्षता को बढ़ाने के लिए विभिन्न शस्य क्रियाओं का समन्वित प्रयोग करना चाहिए।

**⏩ फसलों का चयन**

जलवायु क्षेत्र एवं जल उपलब्धता के अनुसार फसलों का चयन करें। भिन्न-भिन्न फसलों की जल मांग अलग-अलग होती हैं। अत: उपलब्ध जल एवं उसकी फसल मांग के अनुसार फसल का चयन करना काफी लाभदायक सिद्ध होता हैं। उदाहरणार्थ- नहर के नजदीकी खेतों में अधिक जल मांग वाली फसलें-गेहूँ, गन्ना, आलू व सब्जिया तथा दूरस्थ खेतों में कम जल मांग वाली फसलें- सरसों, चना, मसूर, धनिया, अलसी आदि फसलें लें।

**⏩ अधिक उपज देने वाली किस्मों को बोये**

विभिन्न फसलों की तरह ही एक ही फसल की अलग-अलग किस्मों की जल मांग भी अलग-अलग हो सकती हैं। उन्नत किस्में पानी का दक्षतापूर्व उपयोग करती है। वर्षा आधारित क्षेत्रों हेतु अल्पावधि की किस्मों का चयन करें साथ ही किस्में कीट एवं रोग से प्रतिरोधी भी होनी चाहिए।

**⏩ खेत की तैयारी**

खरीफ फसलों को शीघ्र खेतों से हटाकर खलियान में दाल दें तथा तुरंत आवश्यक जुताई कर शीघ्र पाटा लगा देवे। इससे नमी संरक्षित रहेगी और यदि हो सके तो बुवाई भी सांयकाल के समय करें इससे बोये गये बीज को रात्रि में अधिक नमी प्राप्त हो सकेगी और अंकुरण अच्छा होगा।

**⏩ सामयिक बुवाई**

जहां तक हो सकें, फसलों को उचित समय पर बोये। इससे फसल द्वारा संरक्षित नमी का उपयोग अच्छा होगा एवं उनकी वानस्पतिक वृद्धि भी अच्छी होगी। जैसे की समय पर बोई गई सरसों में मोयला का प्रकोप नहीं होता और अंकुरण भी अच्छा होता हैं।

**⏩ संतुलित उर्वरक प्रयोग**

संतुलित उर्वरक प्रयोग से पौधों द्वारा जल(जल प्रबन्धन) उपयोग में वृद्धि के साथ उपज में भी वृद्धि होती हैं फलस्वरूप उर्वरक जल उपयोग दक्षता बढ़ाने में सहायता करते हैं। मिट्टी परीक्षण अवश्य करवाएं और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो तो उनका भी प्रयोग अवश्य करें।

**⏩ खरपतवारों को नियंत्रित रखे**

खरपतवार फसलों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सबसे ज्यादा हानि पहुंचाते हैं। ये उपलब्ध जल एवं पोषक तत्वों का हास्य कर फसलों को उपलब्ध नहीं होने देते हैं। अत: समय-समय पर समुचित विधियों द्वारा इनका नियंत्रण अवश्य करें।

**⏩ खरपतवारों द्वारा नमी संरक्षण (इन सिटू मल्चिंग)**

यदि हो सकें तो निराई-गुड़ाई द्वारा खरपतवारों को नियंत्रित करें। सिंचाई के बाद, भूमि गुड़ाई करने से जमीन से पानी उड़ने की प्रकिया काफी कम हो जाती हैं, क्योंकि ऊपरी परत टूटने से केपलरी क्रिया भी कम हो जाती हैं। निराई-गुड़ाई द्वारा निकाले गये खरपतवारों को खेत से बाहर न फेंके। यदि उनमे फूल न बने हो तो, फसल की दो कतारों के मध्य खरपतवारों को फैला देवें जिससे यह मल्च का कार्य करेंगे और नमी संरक्षण में सहायक होंगे तथा बाद में सड़कर भूमि में जीवाश्म की मात्रा बढ़ाने में भी सहायक होंगे। अत: किसान भाई उचित जल प्रबन्धन विधियाँ को अपनाकर पानी का सदुपयोग करते हुए रबी की फसलों में सिंचाई करके उत्पादन को बढ़ा सकते

## जीडीसी पलौड़ा ने मनाया डोगरी मान्यता दिवस

जम्मू, 23 दिसंबर। डोगरी विभाग ने संगीत विभाग एनसीसी और एनएसएस के सहयोग से डोगरी मान्ता दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। स्वागत भाषण में डोगरी विभाग की डॉ. आशु शर्मा ने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत शोध पत्र प्रस्तुत किया। समारोह में लोक नृत्य के साथ शुरुआत हुई। प्रसिद्ध डोगरी कवि स्वर्गीय श्री ज्ञानेश्वर शर्मा, यश पॉल निर्मल, पदम श्री मोहन सिंह स्लाथिया, यश शर्मा द्वारा लिखित कविता पाठ छात्रों और सभी सदस्यों द्वारा किया गया। पद्मश्री पद्मा सचदेव द्वारा लिखे गए और प्रोफेसर कुशा शर्मा और डॉ. चिन्मई शर्मा द्वारा गाए गए गीतों की मनमोहक धुनों से माहौल भर गया। जीडीसी पलौडा (मिश्रीवाला) की प्रिंसिपल कुलविंदर कौर ने डोगरी विभाग के कलाकारों की सराहना की और छात्रों से मातृभाषा पर गर्व करने का आग्रह किया। इस अवसर पर सदस्यों में प्रोफेसर गीतांजलि मुल्तानी प्रोफेसर विजय चंदन, डॉ. संजय कोतवाल प्रोफेसर शामिल थे। जोगिंदर कुमार, डॉ.राबिया इकबाल.डॉ. सीमा देवी, प्रो. कुशा शर्मा, प्रो. विजय कुमारी। प्रो.नेहा भगत, प्रो.विक्रम सिंह जम्वाल, डॉ.चिन्मेई शर्मा। प्रो.सिकंदर शबाद खान उपस्थित रहे

## एमआरएम ने तनवीर फातिमा का स्वागत किया, जम्मू में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

**आमिर इकबाल खान**

**जम्मू, 23 दिसंबर।** कश्मीर घाटी से नई शामिल हुई प्रमुख हस्ती और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता तनवीर फातिमा का स्वागत करते हुए, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) जम्मू और कश्मीर, लद्दाख यूटी के कानूनी सलाहकार एडवोकेट मलिकजादा मोहम्मद शहजाद ने सोमवार को जम्मू में कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई। बैठक में आयोजक जम्मू और कश्मीर, लद्दाख यूटी के गुलशन कुमार और संयोजक जम्मू और कश्मीर, लद्दाख यूटी के मीर नजीर के अलावा अन्य लोग भी शामिल हुए।

कश्मीर घाटी की एक प्रमुख हस्ती तनवीर फातिमा जम्मू में अपने मुख्यालय में एक प्रभावशाली संगठनात्मक समारोह के दौरान मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) में शामिल

हुईं। इस अवसर पर, फातिमा को सर्वसम्मति से कश्मीर प्रांत के लिए संयोजक (महिला विंग) के रूप में नामित किया गया। अपने विचार व्यक्त करते हुए तनवीर फातिमा ने कहा कि एमआरएम एकमात्र ऐसा संगठन है जो देश में सामाजिक और आर्थिक बदलाव लाने के लिए आवश्यक क्षमता के अलावा एक दृष्टिकोण की परिकल्पना करता है। फातिमा ने दावा किया, इस संगठन का एजेंडा समाज के सभी वर्गों को एक साथ लेकर चलना है ताकि सभी क्षेत्रों, धर्मों और जातियों के समान विकास के बहुप्रतीक्षित सपने को साकार किया जा सके। समारोह के दौरान बोलते हुए एडवोकेट मलिकजादा मोहम्मद शहजाद ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य संगठन जम्मू-कश्मीर में विभाजनकारी राजनीति करते हैं। मलिक ने आगे कहा, लेकिन आज की दुनिया में फर्जी और वोट बैंक की राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है क्योंकि लोग प्रेरित डिजाइनों को समझने के लिए पर्याप्त परिपक्व हैं।

# जसरोटिया ने 22.60 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

**कठुआ 23 दिसंबर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार जम्मू-कश्मीर में समग्र विकास के सपने को साकार करने के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है, जिसमें किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश नहीं है। यह बात जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने पंचायत सेसवां के टांडा में 17.60 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक सुविधा केंद्र और 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सरकारी मिडिल स्कूल टांडा में शौचालय का शिलान्यास करने के बाद कही।

बाद में विधायक ने सरकारी स्कूल जोन बरनोटी में 27 आया हेल्परों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। टांडा में सभा को संबोधित करते हुए जसरोटिया ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस के विपरीत, जो अक्सर विभाजनकारी रणनीति के माध्यम से समर्थन चाहते हैं, भाजपा ने विकास पर ध्यान केंद्रित करके लोकप्रियता हासिल की है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य क्षेत्र, धर्म या भाषा के किसी भी भेदभाव के बिना समाज की सेवा करना है। इस प्रतिबद्धता ने विभिन्न समुदायों के बीच अटूट विश्वास को बढ़ावा दिया है जो सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के हमारे मंत्र में विश्वास करते हैं।

जसरोटिया ने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास की अभूतपूर्व गति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तब से विकास की गति असाधारण और अटूट है, जो लोगों की आकांक्षाओं को एक अनुकरणीय तरीके से पूरा कर रही है। किसी भी अन्य पार्टी ने विकास के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता से मेल खाने की इच्छाशक्ति या साहस नहीं दिखाया है, जिससे यह सभी की पसंदीदा पार्टी बन गई है।

बाद में जसरोटिया ने स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत की, उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करके उनके मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि कई और विकास कार्य पाइपलाइन में हैं और उन्हें चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भाजपा का ध्यान लोगों के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनाने पर रहा है, जो कुशासन और विभिन्न अन्य चुनौतियों के कारण दशकों से कठिन समय से गुजर रहे हैं। जसरोटिया ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री के साहसिक नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्र और उप-क्षेत्र बिना किसी भेदभाव या तुष्टिकरण के सभी के लिए प्रगति के अवसरों के साथ जीवंत इकाइयों के रूप में विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि अब हर क्षेत्र और उप-क्षेत्र की आवाज सुनी जा रही है और शासन की प्रक्रिया में सुधार किया गया है।

उन्होंने कहा कि ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप केंद्र शासित प्रदेश प्रगति के एक नए युग की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी प्रत्येक निवासी, हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी रहे हैं। हम देश के हर जरूरतमंद, गरीब को लाभ देने के इन कार्यों के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने वर्षों में की गई महान पहलों और मिशनरी उत्साह के साथ विभिन्न योजनाओं और कल्याण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके परिणामस्वरूप समाज के हर वर्ग का विकास हुआ है। इस अवसर पर सरपंच तृप्ता देवी, कीरत सिंह, योगेश, देव राज, राज कुमार, वरिष्ठ भाजपा नेता रघुबीर सिंह, बसाख सिंह, बबलू, रणजीत सिंह मौजूद थे।

# युवाओं की बौद्धिक क्षमता को निखारने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जरूरी: उपमुख्यमंत्री

**जम्मू 23 दिसंबर।** उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने सैनिक स्कूल नगरोटा के वार्षिकोत्सव में संबोधित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि इससे युवाओं की बौद्धिक क्षमता को निखारने के साथ-साथ अनुशासन की भावना भी विकसित होती है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, शिक्षा न केवल अनुशासन लाती है, बल्कि युवाओं के आध्यात्मिक विकास में भी सहायक होती है, जिससे राष्ट्र विकसित और समृद्ध बनता है।

दशकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूल की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान हमारी युवा पीढ़ी के भविष्य को आकार देने में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान से उत्तीर्ण छात्रों ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है।

युवाओं से शैक्षणिक गतिविधियों में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें उन प्रवृत्तियों में नहीं बहकना चाहिए जो उनके स्वास्थ्य और भविष्य के लिए हानिकारक हैं। इसके बजाय, उन्हें अपने राष्ट्र को विकसित और समृद्ध बनाने में अपनी ऊर्जा और समय लगाना चाहिए।

समारोह की शुरुआत सैनिक स्कूल नगरोटा की विशिष्ट शैली में मुख्य अतिथि को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई, जिसमें अनुशासन और सटीकता का प्रदर्शन किया गया।

उपमुख्यमंत्री ने शैक्षणिक ब्लॉक में कला, फोटोग्राफी और विज्ञान प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

स्कूल ऑडिटोरियम में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन शामिल थे, जिन्होंने छात्रों की प्रतिभा और विविधता को उजागर किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कॉक हाउस ट्रॉफी की प्रस्तुति थी, जो जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणियों में समग्र चैंपियनशिप हासिल करने के लिए सिंध हाउस को प्रदान की गई थी।

अपने संबोधन में, प्रिंसिपल कैप्टन शिबू देवासिया ने स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान स्कूल की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, अकादमिक उत्कृष्टता, समग्र विकास और कैडेटों के बीच देशभक्ति को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

## उपायुक्त पुंछ ने दूरदराज के क्षेत्रों में सड़क, मोबाइल कनेक्टिविटी की स्थिति की समीक्षा की

**पुंछ 23 दिसंबर।** पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने सेना और सिविल अधिकारियों की बैठक बुलाई, जिसमें पुंछ के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और मोबाइल कनेक्टिविटी को बढ़ाने पर चर्चा की गई।

बैठक में इन क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी की चुनौतियों और महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर चर्चा की गई।

उपायुक्त ने तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी कार्यकारी अभियंताओं को मौजूदा सड़कों की मरम्मत और उन्नयन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

उन्होंने सेना के अधिकारियों से दूरदराज के क्षेत्रों की सड़कों की एक विस्तृत सूची भी उपलब्ध कराने को कहा, जिन पर कनेक्टिविटी में सुधार के लिए ध्यान देने की आवश्यकता है।

चर्चा के दौरान, यह पता चला कि मोबाइल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 40 टावर स्थानों की पहचान की गई है, जिनमें से 27 राज्य भूमि पर और 13 वन भूमि पर हैं, जिसके लिए बीएसएनएल को आवंटन जारी किए गए हैं।

वर्तमान में, पांच नए टावर चालू हैं, जो कसुलियन, डोकरी, झूलास और गलुट्टा जैसे क्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं।

उपायुक्त ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन दूरदराज क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए बेहतर मोबाइल कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि निवासियों को आवश्यक सेवाओं और संचार तक पहुंच प्राप्त हो।